www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

ऐप में पढ़े E-PAPER भारत संवाद

Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

2 धर्म का एक दशक: मोदी युग में सांस्कृतिक पुनर्जागरण

पाकिस्तान ने ट्रम्प को नोबेल प्राइज के लिए नॉमिनेट किया 06

वर्ष :17 | अंक :81 | प्रयागराज, रविवार, 22 जून, 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

बलिया में भाजपा नेता की अंतरंग तस्वीर पोस्ट करने के आरोप में युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

बलिया जिले की रेवती थाना पुलिस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता की अंतरंग तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के आरोप में एक युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष अर्जुन कुमार चौहान की फोटो आपत्तिजनक टिप्पणी के साथ फेसबुक पर पोस्ट करने के लिए यह प्राथमिकी दर्ज की गयी है। चौहान की तहरीर पर शुक्रवार को शैलेश कुमार पांडेय नामक युवक के विरुद्ध सूचना प्रौद्योगिकी संशोधन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। रेवती थाने के प्रभारी प्रशांत कुमार चौधरी ने शनिवार को बताया कि चौहान ने तहरीर में कहा है कि उनके गांव में रहने वाले पांडेय ने दो दिन पहले फेसबुक पर उनकी अंतरंग फोटो पोस्ट करते हुए आपत्तिजनक टिप्पणी की। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मणिपुर में विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े चार उग्रवादी गिरफ्तार

सुरक्षा बलों ने मणिपुर में विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंधित संगठन एनएससीएन (निक्की– सुमी) के एक कैडर को बृहस्पतिवार को जिरीबाम जिले के कमरांगा गांव से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि यह उग्रवादी राष्ट्रीय राजमार्ग 37 पर फिरौती के लिए अपहरण और जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल था। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने शुक्रवार को काकचिंग जिले के काकचिंग तुरेल वांगमा से प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के एक सदस्य को भी गिरफ्तार किया। अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंधित संगठन प्रीपैक (प्रो) और पीएलए के एक-एक उग्रवादी को तेंगनौपाल जिले में म्यांमा सीमा के पास से गिरफ्तार किया गया।

लंदन से लेकर लद्दाख तक, पूरी दुनिया ने एक स्वर में माना भारत के योग का महत्व

पीएम मोदी ने विशाखापट्टनम में योग किया:बोले- तनाव से गुजर रही दुनिया के लिए योग पॉज बटन जैसा; 191 देशों में 1,300 जगह कार्यक्रम

11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

▶▶ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि दुनिया किसी न किसी तनाव से गुजर रही है, कितने ही क्षेत्रों में अशांति और अस्थिरता बढ़ रही है और ऐसे में योग से हमें शांति की दिशा मिलती है।

एजेंसी

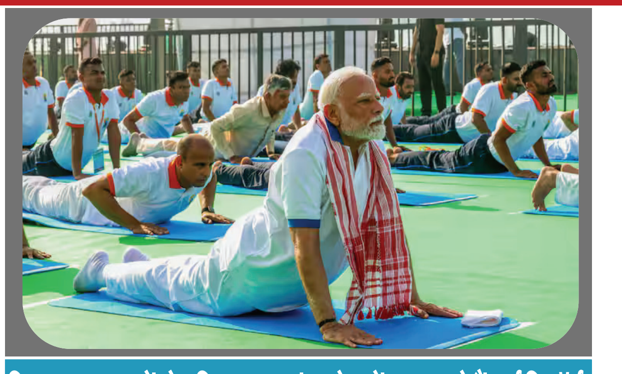

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि दुनिया किसी न किसी तनाव से गुजर रही है, कितने ही क्षेत्रों में अशांति और अस्थिरता बढ़ रही है और ऐसे में योग से हमें शांति की दिशा मिलती है। उन्होंने यह भी कहा कि योग हमें दुनिया को जोड़ने का संदेश देता है और यह सीमाओं, पृष्ठभूमि, उम्र या क्षमता से बंधा नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह दिन मानवता के लिए उस प्राचीन प्रथा की शुरूआत का प्रतीक है जहां आंतरिक शांति वैश्विक नीति बन गई है। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से आज पूरी दुनिया किसी न किसी तनाव से गुजर रही है। कितने ही क्षेत्रों में अशांति और अस्थिरता बढ़ रही है। ऐसे में योग से हमें शांति की दिशा मिलती है। संयुक्त राष्ट्र में विशेष ध्यान सत्र के आयोजन के साथ मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस संयुक्त राष्ट्र में भारत के दूत ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर यहां आयोजित विशेष ध्यान सत्र में कहा कि ऐसे समय में जब तनाव और मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियां बढ़ रही हैं, योग अधिक शांतिपूर्ण तरीके से जीवन जीने का मार्ग प्रदान करता है। प्रख्यात चिकित्सक, लेखक और स्वास्थ्य गुरु दीपक चोपड़ा ने शुक्रवार शाम को योग दिवस के उपलक्ष्य में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की ओर से संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित सत्र का नेतृत्व किया।

विशाखापत्तनम में योग दिवस पर आंध्र प्रदेश में बन सकते हैं कई रिकॉर्ड

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार यहां कई रिकॉर्ड बनाने की कोशिश कर रही है, जिसमें पिछली बार योगाभ्यास के दौरान लोगों की अधिकतम उपस्थिति का रिकॉर्ड तोड़ना भी शामिल है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विशाखापत्तनम के आरके बीच पर समारोह का नेतृत्व किया और रिकॉर्ड बनाने की इन कोशिशों का हिस्सा बने।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बोलीं- उत्तराखंड योग और अध्यात्म का केंद्र, किसी संप्रदाय-पंथ से नहीं योग

आज 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस है. पूरे देश के साथ ही उत्तराखंड में भी लोग योगाभ्यास कर रहे हैं. योग दिवस पर पूरे उत्तराखंड से शानदार तस्वीरें सामने आ रही हैं. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देहरादून पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में योग किया. वहीं सीएम पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भराड़ीसैण में लोगों ने योग किया. भराड़ीसैंण (गैरसैंण) में 8 देशों के 10 राजदूत व प्रतिनिधि और योग गुरु पद्मश्री स्वामी भारत भूषण ने भी योग किया. बीते दिन सभी प्रतिनिधि भराड़ीसैंण स्थित विधानसभा परिसर पहुंचे थे. सभी विदेशी मेहमानों का छोलिया नृत्य और पारंपरिक वाद्य यंत्रों से स्वागत किया गया. सभी मेहमान उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत से अभिभूत दिखाई दिए.

समाधान नहींए नारे लगाने की कला में महारत हासिल की है पीएम

इन इंडिया फैक्ट्री पर राहुल गांधी का मोदी पर तंज

गांधी ने मेक इन इंडिया पहल की प्रभावशीलता पर सवाल उठाते हुए कहा कि देश में विनिर्माण 2014 के बाद से अर्थव्यवस्था के 14 प्रतिशत के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया है।

एजेंसी

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए कहा कि मेक इन इंडिया फैक्ट्री बूम के वादों के बावजूदए देश में विनिर्माण रिकॉर्ड निचले स्तर पर है और युवा बेरोजगारी बहुत अधिक है। गांधी ने मेक इन इंडिया पहल की प्रभावशीलता पर सवाल उठाते हुए कहा कि देश में विनिर्माण 2014 के बाद से अर्थव्यवस्था के 14 प्रतिशत के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया है।उन्होंने युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी और चीन से आयात में दोगुनी वृद्धि की ओर भी इशारा किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर वास्तविक समाधानों के बजाय नारों पर ध्यान केंद्रित करने का आरोप लगाया। एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने एक वीडियो शेयर किया और लिखाए ष्मेक इन इंडियाष् ने फैक्ट्री बूम का वादा किया था। तो विनिर्माण रिकॉर्ड निचले स्तर पर क्यों हैए युवा बेरोजगारी रिकॉर्ड ऊंचाई पर है और चीन से आयात दोगुना से अधिक क्यों हो गया हैघ्मोदी जी ने नारों की कला में महारत हासिल की हैए समाधानों में नहीं। 2014 सेए विनिर्माण हमारी अर्थव्यवस्था का 14ः तक गिर गया है। उन्होंने भारत के युवाओं के सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डालाए एक पोस्ट में साझा किया कि उन्होंने नेहरू प्लेसए नई दिल्ली में दो प्रतिभाशाली युवाओंए शिवम और सैफ से मुलाकात कीए जो अपनी क्षमता को पूरा करने में असमर्थ हैं। उन्होंने देश के मौजूदा आर्थिक मॉडल की आलोचना की और कहाए ष्नेहरू प्लेसए नई दिल्ली मेंए मैं शिवम और सैफ से मिला . जो प्रतिभाशालीए कुशलए संभावनाओं से भरे हुए हैं . फिर भी उन्हें इसे पूरा करने का अवसर नहीं दिया गया। सच्चाई यह हैरू हम इकट्ठा करते हैंए हम आयात करते हैंए लेकिन हम निर्माण नहीं करते। चीन लाभ कमाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के पास कोई नया विचार नहीं है और उन्होंने भारत के उद्योगों को बढ़ाने की कोशिश छोड़ दी है।

एयर इंडिया की घटना के बाद एक और फ्लाइट से आया मेडे कॉल

इंडिगो फ्लाइट की बेंगलुरु में इमरजेंसी लैंडिंग

▶▶ गुवाहाटी से चेन्नई जा रही इंडिगो की फ्लाइट की बेंगलुरु में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई जब पायलट ने मेडे कॉल किया.

एजेंसी

नई दिल्ली : अहमदाबाद प्लेन हादसे के कुछ दिनों बाद ही एक और फ्लाइट के पायलट ने मेडे कॉल किया. यह कॉल इंडिगो की गुवाहाटी से चेन्नई जा रही फ्लाइट के पायलट ने किया था. इसके बाद प्लेन की बेंगलुरु में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई.हालांकि यह जानकारी शनिवार को सामने आई है, लेकिन यह घटना 19 जून की बताई गई है. इंडिगो की इस फ्लाइट में 168 यात्री सवार थे. बताया जाता है कि पायलट ने खतरनाक रूप से कम ईंधन स्तर के कारण 'मेडे' घोषित कर दिया था. इंडिगो प्लेन के पायलट ने फ्यूल की काफी कमी देखी थी, इसके बाद उसने एटीसी (एयर ट्रैफिक कंट्रोल) को मेडे यानी इमरजेंसी कॉल की थी. इसके बाद पायलट ने फिर चेन्नई में लैंडिंग का प्रयास नहीं करने का फैसला किया और उड़ान को लैंडिंग के लिए बेंगलुरु में मोड़ दिया गया. मामले की नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने जांच शुरू कर दी है.आगे की जांच तक उड़ान में शामिल दोनों पायलटों को हटा दिया गया है. हालांकि इंडिगो ने पायलट की कार्रवाई या ईंधन की स्थिति पर आधिकारिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है

एअर इंडिया के खिलाफ डीजीसीए का एक्शन

लापरवाही को लेकर 3 अफसरों को हटाने का आदेश

यह निर्देश 12 जून को लंदन जाने वाली बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर फ्लाइट अक-171 के दुर्घटनाग्रस्त होने के पीछे संभावित परिचालन संबंधी खामियों की व्यापक जांच के हिस्से के रूप में आया है, जो अहमदाबाद में बीजे मेडिकल कॉलेज छात्रावास परिसर में उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी।

एजेंसी

विमानन नियामक, नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने फ्लाइट क्रू शेड्यूलिंग से संबंधित गंभीर और बार-बार उल्लंघन के बाद एयर इंडिया के तीन वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई का आदेश दिया है। एयरलाइन द्वारा स्वेच्छा से बताई गई इन खामियों से पता चला कि अनिवार्य लाइसेंसिंग, आराम और रीसेंसी मानदंडों को पूरा न करने के बावजूद फ्लाइट क्रू को शेड्यूल किया गया और संचालित किया गया। अफटर (एविएशन रिसोर्स मैनेजमेंट सिस्टम- एक एकीकृत प्रणाली जिसका उपयोग एयरलाइंस क्रू प्रबंधन के लिए करती है) से फ्लाइट और क्रू मैनेजमेंट सिस्टम में संक्रमण के बाद की समीक्षा के दौरान उल्लंघनों का पता चला। निर्देश 12 जून को लंदन जाने वाली बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर फ्लाइट 171 के दुर्घटनाग्रस्त होने के पीछे संभावित परिचालन संबंधी खामियों की व्यापक जांच के हिस्से के रूप में आया है।

चलती ट्रेन में सीट विवाद पर युवक की पीट-पीटकर हत्या

बागपत में 15 लोग तब तक मारते रहे, जब तक दम नहीं तोड़ दिया

▶▶ बागपत से 10 किमी पहले खेकड़ा स्टेशन पर ट्रेन रुकी तो आरोपी उतरकर भाग गए। ट्रेन में सवार युवक के एक साथी ने जीआरपी और परिवार को सूचना दी।

एजेंसी

बागपत, यूपी के बागपत में चलती ट्रेन में सीट के विवाद में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। युवक सहारनपुर-दिल्ली पैसेंजर ट्रेन से बागपत आ रहा था। फखरपुर स्टेशन के पास सीट पर बैठने को लेकर उसका विवाद हो गया। इसके बाद 15 से 20 लोगों ने मिलकर उसे लात-घूंसों और बेल्ट से पीटा।बागपत से 10 किमी पहले खेकड़ा स्टेशन पर ट्रेन रुकी तो आरोपी उतरकर भाग गए। ट्रेन में सवार युवक के एक साथी ने जीआरपी और परिवार को सूचना दी। दीपक को ट्रेन से उतारकर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।दीपक दिल्ली में नौकरी करता था और हर शुक्रवार दिल्ली से बागपत अपने घर आता था। घटना शुक्रवार की है, लेकिन इसका वीडियो शनिवार को सामने आया है। 2 दिन पहले झांसी में वंदे भारत एक्सप्रेस में भी मारपीट हुई थी।

भारत संघर्षग्रस्त ईरान से नेपाल और श्रीलंका के नागरिकों को भी निकालेगा

अब तक 517 भारतीय नागरिक स्वदेश लौटे

ईरान में भारतीय दूतावास ने घोषणा की कि वह नेपाल और श्रीलंका के नागरिकों को उनकी सरकारों के अनुरोध पर ईरान से निकालेगा, क्योंकि शनिवार को इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष बढ़ता रहा।

एजेंसी

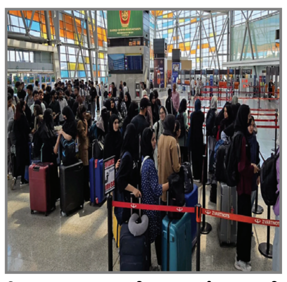

ईरान में भारतीय दूतावास ने घोषणा की कि वह नेपाल और श्रीलंका के नागरिकों को उनकी सरकारों के अनुरोध पर ईरान से निकालेगा, क्योंकि शनिवार को इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष बढ़ता रहा।ईरान में भारतीय दूतावास ने कहा, ₹नेपाल और श्रीलंका की सरकारों के अनुरोध पर, ईरान में भारतीय दूतावास के निकासी प्रयासों में नेपाल और श्रीलंका के नागरिक भी शामिल होंगे।₹ दूतावास ने नेपाल और श्रीलंका के नागरिकों के लिए आपातकालीन संपर्क नंबर भी प्रदान किया।भारत ने ऑपरेशन सिंधु शुरू किया था, जो पश्चिम एशिया से अपने नागरिकों को निकालने के लिए एक महत्वपूर्ण मिशन था, जब इजरायल ने ऑपरेशन राइजिंग लॉयन के तहत तेहरान में अभूतपूर्व हमले किए, जिसमें इस्लामिक गणराज्य की सैन्य और परमाणु सुविधाओं को निशाना बनाया गयाविदेश मंत्रालय (एमईए) ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंधु के तहत अब तक 500 से अधिक भारतीय नागरिक ईरान से स्वदेश लौट आए हैं। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में निकासी अभियान की स्थिति के बारे में जानकारी साझा की। इजराइल के साथ सैन्य टकराव तेज होने के बाद ईरान से निकाले गए छात्रों समेत भारतीय नागरिक शुक्रवार देर रात और शनिवार तड़के दिल्ली पहुंचे। भारत ने बुधवार को ईरान से अपने नागरिकों को निकालने के लिए ऑपरेशन सिंधु शुरू करने की घोषणा की थी।

सोनिया बोलीं-ईरान पुराना दोस्त, भारत की चुप्पी परेशान कर रही

इजराइल के हमलों पर सरकार को मजबूती से बोलना चाहिए, अभी देर नहीं हुई

▶▶ सोनिया गांधी ने कहा कि 13 जून 2025 को इजराइल ने ईरान की संप्रभुता का उल्लंघन करते हुए एकतरफा हमला किया, जो गैरकानूनी और क्षेत्रीय शांति के लिए खतरनाक है। कांग्रेस ईरान में हो रहे इन हमलों की निंदा करती है, जिनसे क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर गंभीर अस्थिरता और टकराव बढ़ सकता है।

एजेंसी

नई दिल्ली, कांग्रेस की चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने ईरान पर इजराइली हमले की निंदा की है।उन्होंने द हिंदू में एक आर्टिकल में लिखा कि इजराइल खुद परमाणु शक्ति है, लेकिन ईरान को परमाणु हथियार न होने पर भी टारगेट किया जा रहा है। ये इजराइल का दोहरा मापदंड है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान भारत का पुराना दोस्त रहा है और ऐसे हालात में भारत की चुप्पी परेशान करने वाली है। गाजा में हो रही तबाही और ईरान में हो रहे हमलों को लेकर भारत को स्पष्ट, जिम्मेदार और मजबूत आवाज में बोलना चाहिए। अभी देर नहीं हुई है।

आरोप — यू-टर्न का लगाया आरोप

क्रोनोलॉजी समझिये..., प्रियांक खरगे ने विदेश मंत्रालय पर निकाली भड़ास

एजेंसी

नयी दिल्ली। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने शनिवार को विदेश मंत्रालय की आलोचना की और कहा कि मंत्रालय ने उनकी अमेरिका की आधिकारिक यात्रा के लिए राजनीतिक मंजूरी देने से इनकार कर दिया है, जिस पर उन्होंने यू-टर्न लिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रियांक खड़गे ने कहा कि उनके प्रारंभिक आवेदन के 36 दिन बाद और उनके निर्धारित प्रस्थान के पांच दिन बाद 19 जून को अंततः मंजूरी प्रदान की गई। खड़गे ने कहा, अतः यू-टर्न लेते हुए विदेश मंत्रालय ने अब अपने पहले के फैसले को रद्द करने और मुझे संयुक्त राज्य अमेरिका की आधिकारिक यात्रा के लिए मंजूरी देने का निर्णय लिया है। उन्होंने प्रारंभिक अस्वीकृति के पीछे के उद्देश्यों और देरी पर सवाल उठाया। इससे पहले, कांग्रेस नेता ने यह भी दावा किया कि उन्होंने 14 से 27 जून के बीच दो वैश्विक मंचों - बोस्टन में बीआईओ इंटरनेशनल कन्वेंशन और सैन फ्रांसिस्को में डिजाइन ऑटोमेशन कॉन्फ्रेंस (डीएसी) में कर्नाटक सरकार का प्रतिनिधित्व करने के लिए यात्रा की मंजूरी के लिए 15 मई को आवेदन किया था। इसके अलावा निवेश और सहयोग के लिए प्रमुख कंपनियों, विश्वविद्यालयों और संस्थानों के साथ 25 से अधिक बैठकें भी करनी थीं। खड़गे ने आरोप लगाया कि उनके मूल अनुरोध, जिसमें प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में अधिकारी शामिल थे, को 4 जून को बिना किसी आधिकारिक स्पष्टीकरण के अस्वीकार कर दिया गया था। केवल अधिकारियों के लिए संशोधित आवेदन को 11 जून को मंजूरी दी गई। केवल केओनिक्स चेयरमैन की मंजूरी के लिए बाद के अनुरोध को 14 जून को मंजूरी दी गई। उन्होंने अपने पोस्ट में आवेदनों और निर्णयों का क्रम बताते हुए टिप्पणी की, कालक्रम समझिए।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रियांक खड़गे ने कहा कि उनके प्रारंभिक आवेदन के 36 दिन बाद और उनके निर्धारित प्रस्थान के पांच दिन बाद 19 जून को अंतत: मंजूरी प्रदान की गई।

प्रियांक खरगे ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्होंने इस मुद्दे पर 19 जून को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी, जिसमें वीजा के लिए क्लीयरेंस न देने पर सवाल उठाए गए और इसमें राजनीतिक दखल की आशंका जताई थी। मीडिया में यह मामला उठा। उसी दिन शाम में विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी वीजा के लिए क्लीयरेंस दे दी। खरगे ने सवाल किया कि 'पहले उन्हें क्लीयरेंस देने से क्यों मना किया गया? इस मामले के सार्वजनिक होने के बाद क्या मंत्रालय ने जवाबदेही से बचने के लिए वीजा के लिए क्लीयरेंस दी?' अभी तक इस मामले में विदेश मंत्रालय की तरफ से कोई बयान नहीं दिया गया है।

उपदेश देने का कोई नैतिक आधार नहीं... शहजाद पूनावाला ने दी तेजस्वी यादव को सलाह

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने शनिवार को राजद नेता तेजस्वी यादव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मजाक उड़ाने वाली टिप्पणी के बाद तीखा हमला किया। राजद को घोटाले के दोषियों की पार्टी करार देते हुए पूनावाला ने कहा कि जिस पार्टी का इतिहास चारा घोटाले से जुड़ा हो, जिसके नेता को दोषी ठहराया गया हो और जिसका परिवार जमीन के बदले नौकरी घोटाले में मुकदमे का सामना कर रहा हो, उसे किसी को उपदेश देने का कोई नैतिक आधार नहीं है। पूनावाला ने कहा कि जब अहंकार और सामंती मानसिकता से प्रेरित ऐसे लोग उस प्रधानमंत्री का मजाक उड़ाते हैं, जिन्होंने कभी रेलवे प्लेटफॉर्म पर चाय बेची और वहीं से आगे बढ़े, तो उनकी असली अभिजात्य मानसिकता उजागर होती है। वंशवादी राजनीति पर तीखी टिप्पणी करते हुए पूनावाला ने राजद पर परिवार को संवैधानिक संस्थाओं से ऊपर रखने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, यह वही मानसिकता है जिसमें परिवार को हमेशा संवैधानिक पदों से ऊपर रखा जाता है। उनके इतिहास में ऐसे उदाहरण भी हैं जहां डॉ. बी.आर. अंबेडकर की तस्वीर को उनके पैरों के पास रखकर उनका अपमान किया गया। उनके लिए परिवार पहले आता है, संविधान या राष्ट्र नहीं।

राजद को घोटाले के दोषियों की पार्टी करार देते हुए पूनावाला ने कहा कि जिस पार्टी का इतिहास चारा घोटाले से जुड़ा हो, जिसके नेता को दोषी ठहराया गया हो और जिसका परिवार जमीन के बदले नौकरी घोटाले में मुकदमे का सामना कर रहा हो, उसे किसी को उपदेश देने का कोई नैतिक आधार नहीं है।

सम्पादकीय

बुजुर्ग होते विश्व में भारत की महत्ता, देश में लगातार बुजुर्गों की संख्या बढ़ रही है

वर्तमान में देश की आबादी में 60 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के लोगों का प्रतिशत 9.5 है। 2036 में ऐसे लोगों की आबादी बढ़कर 13.9 प्रतिशत हो जाएगी। चौथी रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की है। इसमें कहा गया है कि अगले 25 वर्षों में भारत की आबादी में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की हिस्सेदारी 20.8 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। देश में 16वीं जनगणना की अधिसूचना जारी हो चुकी है। देश में यह पहली ऐसी जनगणना होगी, जहां आंकड़ों का संकलन कागज-कलम से न होकर डिजिटल आधार पर किया जाएगा। 2011 के बाद होने वाली इस जनगणना में जाति गणना भी शामिल होगी। इस जनगणना से भारत में गरीबी, शिक्षा, लोगों की आय, लिंगानुपात, जाति, पंथ, अमीरी-गरीबी, युवा-बुजुर्ग इत्यादि की तस्वीर साफ होगी। अभी हम युवा देश हैं, परंतु हाल में देश में लिंगानुपात से संबंधित जो रपटें आई हैं, उनमें देश में वृद्धजनों की बढ़ती आबादी का आकलन किया गया है। इस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। पहली रिपोर्ट प्लेसेस नामक जर्नल में प्रकाशित हुई है। इसके आंकड़े बताते हैं कि आज भारत का हर चौथा-पांचवां बुजुर्ग स्मृति लोप, भाषा का ठीक से प्रयोग न करने, सोचने-समझने एवं निर्णय लेने की क्षमता के कमजोर हो जाने जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। दूसरी रिपोर्ट भारतीय स्टेट बैंक ने जारी की है। इसके अनुसार भारत की कामकाजी आबादी की औसत आयु 2021 में 24 वर्ष के मुकाबले साल 2026 में बढ़कर 28-29 वर्ष हो जाएगी। आज चीन की कामकाजी औसत आयु 39.5 साल है। वहीं यूरोप में यह 42 साल, उत्तरी अमेरिका में 38 एवं एशिया में 32 साल है। वैश्विक स्तर पर यह औसत आयु 30.4 वर्ष दर्ज की गई है। एसबीआइ की रिपोर्ट संकेत देती है कि भारत में शून्य से चौदह साल के बच्चों की आबादी में गिरावट आ रही है। 1991 में इनकी जो आबादी 36.4 करोड़ थी, वह 2026 में घटकर 34 करोड़ रहने वाली है। आबादी में 1991 में इनकी जो हिस्सेदारी 37 प्रतिशत थी, वह वर्ष 2026 में घटकर 24.3 प्रतिशत रह जाएगी। इस प्रकार 60 साल से अधिक उम्र के लोगों की आबादी विगत ढाई दशक में बढ़कर दोगुनी हो गई है। इसका अर्थ है कि 2001 में बुजुर्गों की जो आबादी 7.9 करोड़ थी, वह साल 2026 में बढ़कर 15 करोड़ के आसपास पहुंच जाएगी। इनमें 7.7 करोड़ पुरुष तथा 7.3 करोड़ महिलाएं होंगी। इसी तरह वर्ष 2001 में देश में जो कामकाजी आबादी 58.6 करोड़ थी, 2026 में इसके बढ़कर 91 करोड़ होने का अनुमान है। माना जा रहा है कि अगली जनगणना में देश की कुल आबादी में 67 प्रतिशत हिस्सेदारी कामकाजी लोगों की होगी। इसी संदर्भ में तीसरी रिपोर्ट केंद्र सरकार के सांख्यिकी मंत्रालय ने प्रकाशित की है।

आज का विचार

तुम्हें जरूरत है,
उस एक व्यक्ति की
जो तुम पर विश्वास कर सके
और वो व्यक्ति हो तुम खुद

भारत संवाद

राशिफल

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए निश्चित रूप से फलदायक रहने वाला है. आपकी योजनाओं को गति मिलेगी. आज आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी. आज आपको बड़ों का साथ व सहयोग भरपूर मात्रा में मिलेगा. आज आपकी शिक्षा में आ रही परेशानी से छुटकारा मिलेगा, आपको खुशी होगी.

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है. दिनचर्या में सुबह की सैर शामिल करेंगे, जिससे आप अपने आप को काफी ऊजार्वान महसूस करेंगे. कोई पुराना मित्र आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है. आज आप एक से अधिक स्रोतों से आय करेंग. शासन व प्रशासन के मामले में सावधानी बरतें. आज निवेश संबंधी मामलों को गति मिलेगी.

कर्क राशि: आज आपका दिन बेहद खुशहाल रहने वाला है. आज अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने की नयी योजना बनायेंगे, जिससे आपकी कामयाबी आसमान की बुलंदियों पर होगी.आपकी मुलाकात बचपन के किसी दोस्त से होगी, आपकी पुरानी यादें ताजा होंगी.

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए आनंदायक रहने वाला है. आपको अपनी वाणी की मधुरता को बनाए रखना है. आज बेवजह किसी से उलझने से बचे. आपका पुराना मित्र आपसे मिलने आएगा, जिससे मिलकर अपनी पुरानी यादें ताजा होंगी.

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए परिवार के लिए खुशियां लाने वाला है. परिवार में आपके अच्छे काम की तारीफ होगी. महिलाओं के लिए आज का दिन बेहद खास रहने वाला है. आज आपके पास बिजनेस को आगे बढ़ाने का अच्छा मौका है.

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है. आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा. आपका धन कहां खर्च हो रहा है. इस पर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है, आने वाले समय में आपको पैसों की जरुरत पड़ सकती है.

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा. जीवनसाथी से किसी काम को लेकर विचार विमर्श करेंगे. आप अपने मित्रों के साथ किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे.घर परिवार में चल रही समस्या को आप अपनी सूझ बुझ से सॉल्व करने में सफल होंगे.

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए ठीकठाक रहने वाला है. आज किसी भी कानूनी मामलों में जल्दबाजी न दिखाएं. अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखेंगे तो भविष्य में आने वाली परेशानियों से भी बच जायेंगे. आज अपने काम को सामान्य गति से पूरा करेंगे. किसी नए काम की शुरूआत करना चाह रहे हैं

मकर राशि : आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है. स्वास्थ्य के लिहाज से दिन अच्छा रहेगा. आज आपके बढ़ते खर्चे परेशानी का कारण बन सकते हैं इसीलिए बजट बनाकर चलने का प्रयास करें. किसी संपत्ति का सौदा जल्दबाजी में ना करें.

कुंभ राशि: आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा. आज परिवार के साथ घर पर मूवी देखने की प्लानिंग करेंगे। सेहत के लिहाज से आप खुद को तंदरुस्त महसूस करेंगे. मार्केटिंग से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा.

मीन राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा. नौकरी में तरक्की मिलने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा. नए काम की शुरूआत जीवनसाथी को करा सकते हैं.आज कोई बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते है. इस राशि की जो महिलाएं बिजनेस कर रही हैं उनका दिन व्यस्तता से भरा होगा, लेकिन शाम का समय अपनी फैमिली के साथ बिताएंगी. ऑफिस के उच्चधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा, बिगड़े काम बन जाएंगे. आज आप कुछ नये विचारों पर भी काम करेंगे. आज का दिन व्यापार के लिये फायदेमंद साबित होगा.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

धर्म का एक दशक: मोदी युग में सांस्कृतिक पुनर्जागरण

> 2014 में शुरू से ही यह स्पष्ट था कि मोदी सरकार के तहत संस्कृति अब सजावटी नहीं रहेगी, बल्कि यह मूलभूत होगी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पहली बार 2015 में मनाया गया था। अब दुनिया भर में लाखों लोगों को एक प्राचीन भारतीय परंपरा का जश्न मनाते देखा जा रहा है, जो शरीर, मन और आत्मा को आपस में जोड़ता है।

पा जनवरी 2024 में, जब पावन नगरी अयोध्या में सूर्योदय हुआ। सदियों से लुप्त हो चुकी प्रार्थना अब आखिरकार गुंजायमान होने लगी थी। श्री राम की अपने राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महज एक धार्मिक उपलब्धि नहीं थी। यह सभ्यता के उद्धार का क्षण था। सदियों के आक्रमण, औपनिवेशिक विकृति और राजनीतिक देरी के बाद, मंत्रों से गूंजता हुआ और इतिहास के स्पंदन सहित, बलुआ पत्थर में उकेरा गया यह मंदिर शान से खड़ा था। यह सिर्फ वास्तुकला के बारे में नहीं था, यह एक घायल आत्मा के उपचार के बारे में था। श्री राम की अपनी जन्मभूमि पर वापसी ने उस राष्ट्र की आस्था को फिर से जागृत कर दिया, जिसने लंबे समय तक अपने दिल में निर्वासन की खामोशी को समेटे रखा था। कुछ महीने पहले, भारत की प्राचीन आस्था का एक और प्रतीक चुपचाप अपने सही स्थान पर लौट आया। नई संसद के उद्घाटन के दौरान, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेंगोल को स्थापित किया। यह एक पवित्र राजदंड है, जिसे 1947 में तमिल अधीनमों ने सत्ता के धार्मिक हस्तांतरण को चिह्नित करने के लिए जवाहरलाल नेहरू को भेंट किया था। दशकों से, इसे भुला दिया गया था, समुचित स्थान से वंचित किया गया, और एक प्रचलित राजदंड के तौर पर खारिज कर दिया गया था। इसकी स्थापना केवल स्मरण का कार्य नहीं था – यह एक शक्तिशाली घोषणा थी कि भारत अब खुद को उधार की आंखों से नहीं देखेगा। सेंगोल ने साम्राज्य के अवशेषों का नहीं, बल्कि धार्मिकता पर आधारित शासन का प्रतिनिधित्व किया। यह भारत की अपनी राज्य कला और आध्यात्मिक परंपराओं का एक महत्वपूर्ण आलिंगन था, जिसे उपनिवेशवाद के बाद के क्रम में लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया था। इतना ही नहीं, इन क्षणों ने एक गहरे सांस्कृतिक पुनर्जागरण का संकेत दिया। यह एक सभ्यतागत गतिविधि के तौर पर ग्यारह परिवर्तनकारी वर्षों में सामने आएगी।

2014 में शुरू से ही यह स्पष्ट था कि मोदी सरकार के तहत संस्कृति अब सजावटी नहीं रहेगी, बल्कि यह मूलभूत होगी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पहली बार 2015 में मनाया गया था। अब दुनिया भर में लाखों लोगों को एक प्राचीन भारतीय परंपरा का जश्न मनाते देखा जा रहा है, जो शरीर, मन और आत्मा को आपस में जोड़ता है। योग केवल एक स्वास्थ्य संबंधी दिनचर्या भर नहीं है, बल्कि यह पिछले कुछ वर्षों में भारत का सबसे बड़ा सांस्कृतिक निर्यात भी बन गया है। आयुष मंत्रालय के माध्यम से पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के पुनरुद्धार को संस्थागत बल दिया गया। इसके परिणामस्वरूप आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी को राष्ट्रीय और वैश्विक मंचों पर पहुंचने में मदद मिली। समानांतर रूप से, सरकार ने संस्कृत, तमिल, पाली और प्राकृत जैसी शास्त्रीय भाषाओं को संरक्षित करने, पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने और उस्ताद एवं हमारी धरोहर जैसी योजनाओं के तहत लुप्तप्राय लोक कलाओं और शिल्पों का समर्थन करने के लिए मिशन शुरू किए। भारत की ऐतिहासिकों इमारतों में भी नई जान आ गई। 2018 में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का अनावरण केवल व्यापकता के बारे में नहीं था, बल्कि एक गाथा को पुनः प्रतिष्ठित करने जैसा था। सरदार वल्लभभाई पटेल लंबे समय से ओझल हो रहे थे। उनको राष्ट्रीय स्मृति में सबसे आगे रखा गया। राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ करना एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक था। यह औपनिवेशिक प्रतीकवाद से देशी जवाबदेही की ओर बदलाव का भी प्रतीक था।

तमिलनाडु के महाबलीपुरम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति श्री शी जिनपिंग के बीच 2019 की अनौपचारिक शिखर वार्ता की तुलना में शायद कोई भी कूटनीतिक वार्ता इस बदलाव को बेहतर तरीके से नहीं दर्शाती है। दिल्ली के गलियारों से दूर, प्राचीन बंदरगाह का नगर, जो कभी पल्लव राजवंश और भारत–चीनी समुद्री संबंधों का एक संपन्न केंद्र होने के साथ–साथ दो सभ्यताओं के बीच वार्ता की पृष्ठभूमि बन गया। जब नेता चट्टानों को काटकर बनाए गए मंदिरों और पत्थर के रथों के बीच चले, तो भारत ने न केवल भूगोल, बल्कि इतिहास और न केवल प्रोटोकॉल, बल्कि विरासत को भी प्रस्तुत किया। यह अपने सबसे सूक्ष्म और सबसे मजबूत रूप में सॉफ्ट पावर था। यह सांस्कृतिक लोकाचार अन्य तरीकों से भी भारत की वैश्विक कूटनीति में प्रवाहित हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्व के नेताओं को राजकीय उपहार के तौर पर पट्टचित्र पेंटिंग से लेकर बच्चों के लिए लाख के खिलौने भेंट किए गए, जो अपने साथ भारत के कारीगरों और कालातीत परंपराओं के संदेश लेकर गए।

2023 में जी–20 की अध्यक्षता एक और सांस्कृतिक उपलब्धि साबित हुई। दिल्ली के डिप्लोमेटिक हॉल तक सीमित न रहकर, यह शिखर सम्मेलन सांस्कृतिक पहचान का अखिल भारतीय उत्सव बन गया। आदिवासी कला प्रदर्शनों से लेकर शास्त्रीय प्रदर्शनों तक, भारत ने न केवल अपनी नीतिगत गहराई, बल्कि अपनी आत्मा का भी प्रदर्शन किया। हर प्रतिनिधिमंडल भारत के रंगों, व्यंजनों, शिल्प और चेतना में डूबा हुआ था। संदेश स्पष्ट था: भारत भूतकाल की सभ्यता नहीं है – यह जीवंत, सशक्त और आत्मविश्वास से परिपूर्ण वैश्विक सभ्यता है।

इन वर्षों के दौरान, 600 से अधिक चोरी की गई कलाकृतियां विदेशी संग्रहालयों और संग्रहकर्ताओं से वापस लाई गईं, जिनमें मूर्तियां, शिलालेख और पांडुलिपियां शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक की वापसी न केवल कला की बल्कि सम्मान की बहाली थी। इसी तरह, गुरु गोविंद सिंह के वीर शहजादों की शहादत को याद करने के लिए वीर बाल दिवस की स्थापना की गई, जबकि जनजातीय गौरव दिवस ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों को राष्ट्रीय केन्द्र में लाया। महामारी भी सांस्कृतिक लौ को मद्धिम नहीं कर पाई। वर्चुअल कॉन्सर्ट, डिजिटल म्यूजियम टूर और मन की बात के माध्यम से, प्रधानमंत्री ने सुनिश्चित किया कि कला, कहानियां और सांस्कृतिक गौरव लॉकडाउन के एकांत में भी पुष्पित–पल्लवित होते रहें। विकास भी, विरासत भी के नारे जैसे अभियान में ये सभी समाहित हो गए। यह एक आह्वान है जो आर्थिक विकास को सांस्कृतिक गौरव के साथ–साथ चलने पर जोर देता है। मोदी सरकार के तहत, यह नारा केवल बयानबाजी नहीं था। इसने एक नई दृष्टि को परिभाषित किया। एक दृष्टि, जिसमें जीडीपी वृद्धि, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और रक्षा आधुनिकीकरण, मंदिर जीर्णोद्धार, आदिवासी गौरव और सभ्यता की गाथा समाहित थे।

भारत आज अपनी पहचान के इर्द–गिर्द नहीं घूमता। बिना किसी पछतावे और आत्मविश्वास से परिपूर्ण होकर यह आगे बढ़ता है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद प्रगति की बाध्यकारी शक्ति के रूप में उभरा है, जिसे कभी प्रतिगामी के रूप में खारिज कर दिया गया था। भाजपा के वैचारिक कम्पास में, संस्कृति केवल एक सहायक भर नहीं है, बल्कि धुरी है। इन ग्यारह सालों में मोदी युग ने केवल सांस्कृतिक नीति को ही ध्यान में नहीं रखा है, बल्कि इसने सांस्कृतिक चेतना को भी जागृत किया है। जो पुनर्स्थापना के तौर पर शुरू हुआ था, वह पुनरुत्थान बन गया। जिन्हें कभी अतीत की स्मृतियों के तौर पर उपेक्षित किया जाता था, वे सभी अब राष्ट्रीय पहचान के केंद्र बन गए हैं।

राम मंदिर और सेंगोल हमेशा सांकेतिक प्रतीक बने रहेंगे, लेकिन विरासत की गहराई सामूहिक अहसास में निहित है। भारत का भविष्य तब सबसे उज्ज्वल होगा, जब वह याद रखेगा कि वह कहां से आया है। हम सिर्फ एक लंबा इतिहास वाला देश नहीं हैं, बल्कि हम एक लंबी स्मृति वाली जीवित सभ्यता हैं। और उस स्मृति में, धर्म की निगरानी में, भारत ने फिर से अपनी आवाज पाई है।

सनातनी गौरव से ओतप्रोत भारतवर्ष, महान ग्रंथों से उत्सर्जित भारतीय संस्कृति।

संजीव ठाकुर

वेद तथा सनातनी ग्रंथों से मानव जीवन परिष्कृत होता है और सदाचार तथा वैदिक धर्म का ज्ञान मानव धर्मार्थ की खोज में एक यज्ञ की तरह है

भारतीय ऋग्वेद, अथर्ववेद और अनेक वेदों में इतनी शक्ति ऊर्जा और अर्थ छुपा हुआ है कि उसका अध्ययन मनन और चिंतन करने से भारत विश्व गुरु बनने की क्षमता रखता है। भारत की योग विद्या पूरे विश्व में अमेरिका सहित यूरोप में अपनाई गई है। यह अलग बात है कि कुछ देशों के प्रशासको द्वारा अपनी सनक एवं विस्तार वादी मानसिकता के पूरे विश्व मैं परमाणु युद्ध की संभावना बनी हुई है। इसका हल मी भारतीय संस्कृति संस्कारों में छुपा हुआ है उसे बस अपनाने की जरूरत है। भारतीय संस्कृति आज महावीर तथा बुध के पूरे विश्व में करोड़ों अनुयाई हैं, और दोनों ने श्रम तथा सार्थकता को जीवन में अपनाने को ही महत्व दिया था। सफलता उनके लिए मिथ्या के बराबर ही थी

गुरु नानक देव द्वारा प्रतिपादित सरबत दा भला, हो या महात्मा गांधी का सर्वोदय, ईसा मसीह की करुणा, मोहम्मद साहब, टैगोर का मानवतावाद या नेहरू का अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रवाद जीवन के श्रम तथा सार्थकता की खोज में बड़े महत्वपूर्ण उदाहरण है व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर देखा जाए तो महज रोजगार की तलाश विवाह संतानोत्पत्ति,बच्चों का भरण पोषण तथा सेवानिवृत्ति ही जीवन नहीं है। इसमें सामुदायिक श्रम और सार्थकता का समावेश होना समीचीन है। हालांकि इस बात में कोई दो मत नहीं कि पारिवारिक उत्तरदायित्व का निर्वहन समाजिक मूलभूत आवश्यकता है। पर इसके साथ साथ कुछ ऐसा सार्थक श्रम किया जाना चाहिए जो न केवल आत्मिक संतोष का अनुभव प्रदान करें, बल्कि सामाजिक हित और वैश्विक शांति में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दें, और समाज को दिशा देने वाली कोई परिणति समाज के सम्मुख प्रकट हो।

जिससे समाज के लोगों का जीवन परिष्कृत हो। इसी संदर्भ में राजा राममोहन राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर, सर सैयद अहमद खान,दयानंद सरस्वती, विवेकानंद ने हमेशा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध अभियान चलाकर जीवन में श्रम तथा सार्थकता का महत्व बढ़ाकर सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया था।यह स्पष्ट रूप से दिखाई देता है कि जीवन की असली खोज श्रम सार्थकता की उपलब्धि ना होती और तथाकथित सफलता के शिखर पर व्यक्ति बैठ जाता है और शांत हो जाता,तो सफलता के शिखर पर बैठे बिलगेट, वारेन बुफेट जैसे लोग अपनी अकूत संपत्ति का बड़ा भाग सामाजिक उद्देश्य के लिए दान नहीं करते। सुंदरलाल बहुगुणा चिपको आंदोलन चलाकर जल तथा पर्यावरण संरक्षण की बात नहीं करते। कैलाश सत्यार्थी बचपन बचाओ आंदोलन के माध्यम से बाल संरक्षण के अधिकारों का झंडा बुलंद नहीं कर पाते। थॉमस अल्वा एडिसन, आइंस्टीन,मैडम क्यूरी और राइट बंधुओं के श्रम और सार्थकता के प्रयास में ही सफलता का परचम फैलाया है। पर इन सब के पीछे उनकी असाध्य मेहनत और दिमागी सार्थकता ही मुख्य कारक बन कर उन्हें उत्प्रेरित करती रहे है।पर दूसरी तरफ यह भी सत्य है कि जीवन में सार्थकता की खोज सफलता के अभाव में संभव नहीं है। क्योंकि श्रम और सार्थकता का महत्व तभी तक है जब तक वह सफल ना हो,परंतु सफलता ही मनुष्य की अंतिम परिणति नहीं होनी चाहिए। अन्यथा जीवन में मानवीय मूल्यों का महत्व नगण्य में होने की संभावना बनी रहती है। अतः श्रम मेहनत और सार्थकता समेकित रूप से मिलकर एक बड़ी सफलता को जन्म देते हैं। श्रम तथा सार्थकता तभी प्राप्त होती है, जब सफलता का आधार प्राप्त हो जाए। पर मूलत सफल होना ही पर्याप्त नहीं है। और जीवन की असली खोज निरंतर श्रम तथा सार्थकता है। केवल सफलता आपको अस्थाई तथा तत्कालिक मानसिक शारीरिक सुख प्रदान कर सकती है। पर चिरस्थाई तथा आत्मिक संतोष के लिए उसमें श्रम तथा सार्थकता का समावेश होना अत्यंत आवश्यक होता है। अगर वह समाज के लिए एक आदर्श तथा उपयोगी मार्गदर्शक बन सकता है।इसलिए जीवन में केवल सफलता के पीछे ना जाकर श्रम, मेहनत और सार्थकता अत्यंत आवश्यक पहलू हैं।

जी-7 शिखर सम्मेलन कनाडा में भारत की नसीहत के वैश्विक मायने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिना लाग लपेट के दो टूक शब्दों में कहा कि, ₹वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए हमारी सोच और नीति स्पष्ट होनी चाहिए। यदि कोई देश आतंकवाद का समर्थन करता है, तो उसे इसकी कीमत चुकानी होगी। जी-7 शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन ग्लोबल साउथ के हिमायती भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद, व्यापार और विकास जैसे अहम वैश्विक मुद्दों पर दुनिया के प्रमुख नेताओं के साथ बातचीत के दौरान जो नसीहत दी, उसके वैश्विक मायने खास हैं और उन्हें समझने-समझाने की भी जरूरत है, ताकि भारत के मतदाताओं में अपने अंतरराष्ट्रीय हितों के प्रति भी जागरूकता पनपे और बढ़े। बता दें कि कनाडा के कनानास्किस में आयोजित जी-7 आउटरीच सत्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की सख्त नीति को दोहराया और इस वैश्विक खतरे के खिलाफ एकजुट होकर निर्णायक कार्रवाई की मांग की। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि ₹आतंक समर्थक देशों को इसकी कीमत चुकानी होगी₹ उनका इशारा अमेरिका, कनाडा, जापान, इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, इटली, यूरोपीय संघ के उन देशों की तरफ था जो अमेरिकी अगुवाई में लोकतंत्र की बात तो करते हैं, लेकिन आतंकवादी समर्थक देशों को भी वित्तीय मदद देते व अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से दिलवाते हैं। यही वजह है कि प्रधानमंत्री मोदी ने बिना लाग लपेट के दो टूक शब्दों में कहा कि, ₹वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए हमारी सोच और नीति स्पष्ट होनी चाहिए। यदि कोई देश आतंकवाद का समर्थन करता है, तो उसे इसकी कीमत चुकानी होगी।₹ उन्होंने यहां तक कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय की कार्रवाई में दोहरा मापदंड नहीं होना चाहिए। ऐसा कहकर उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की पक्षपाती भूमिका पर भी सवाल खड़े दिए। प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट रूप से कहा कि, ₹एक ओर हम अपनी पसंद के अनुसार विभिन्न प्रकार के प्रतिबंध जल्दी से लगा देते हैं, वहीं दूसरी ओर जो देश खुलेआम आतंकवाद का समर्थन करते हैं, उन्हें पुरस्कृत किया जाता है। यह दोहरी नीति बंद होनी चाहिए।₹ समझा जाता है कि पीएम मोदी का इशारा पाकिस्तान की तरफ था, जिसे अमेरिका-चीन दोनों का सहयोग व समर्थन हासिल है। यह भारत के लिए चिंता की बात है, क्योंकि वह भारत में आतंकवाद व अन्य खुराफातों को बढ़ावा देता है। भारत को टुकड़े करने के स्वप्न देखता है।

इसे भी पढ़ें: ऋ-7 में ई इङ्ग२२ की तरह छा गये मोदी, भाषण पर तालियां बजाते रहे वैश्विक नेता विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि, ₹प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख को दोहराया और पहलगाम में हुए जघन्य आतंकी हमले की निंदा करने के लिए नेताओं का आभार जताया। उन्होंने आतंकवाद को बढ़ावा देने और समर्थन देने वालों के खिलाफ सख्त वैश्विक कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया।₹ साथ ही पीएम मोदी ने जी-7 मंच से ग्लोबल साउथ के मुद्दे भी उठाए। गौरतलब है कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। इसके जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में मौजूद आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। प्रधानमंत्री ने जी-7 नेताओं के साथ अपनी बातचीत को उत्पादक बताया और कहा कि चर्चा वैश्विक चुनौतियों और बेहतर भविष्य की आशाओं पर केंद्रित रही। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान ग्लोबल साउथ की चिंताओं और प्राथमिकताओं पर ध्यान दिए जाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत ग्लोबल साउथ की आवाज को वैश्विक मंच पर पहुंचाना अपनी जिम्मेदारी समझता है।

जनपद न्यायालय परिसर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग शिविर का हुआ आयोजन

भारत संवाद

आज दिनांक 21.06.2025 को माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद व उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार व माननीय जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज श्री संजीव कुमार के निदेर्शानुसार जनपद न्यायालय परिसर में प्रातः 7:00 बजे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद न्यायालय के समस्त न्यायिक अधिकारी गण व कर्मचारी गण उपस्थित रहे। योग दिवस के अवसर पर डॉक्टर अंजली मिश्रा, चंद्रभान सोनी योग प्रशिक्षक ने समस्त न्यायिक अधिकारीगण व कर्मचारियों को योगाभ्यास कराया। योग गुरु द्वारा विभिन्न प्रकार के योगों से सभी लोगों को परिचय कराते हुए योगाभ्यास कराया गया तथा स्वास्थ्य लाभ प्रदान किया गया। इस अवसर पर समस्त न्यायिक अधिकारीगण कर्मचारी गण उपस्थित रहे। यह जानकारी श्री दिनेश कुमार गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रदान की गई।

भारतीय संस्कृति और परम्परा का अमृत तत्व है योग:नन्दी

संगम तट पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में सम्मिलित हुए औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी

भारत संवाद

- योग एक सम्पूर्ण विज्ञान है:नन्दी
- योग हमारी आध्यात्मिक विरासत का अभिन्न अंग है

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संगम तट पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। मंत्री नन्दी ने आमजनता एवं अतिथियों के साथ योगाभ्यास किया। योगाभ्यास के बाद लोगों को संबोधित करते हुए मंत्री नन्दी ने कहा कि योग हमारी आध्यात्मिक विरासत का अभिन्न अंग है। पूरी दुनिया में शारीरिक योग सम्पूर्ण विज्ञान है। योग एक ऐसी साधना है, जो शारीरिक एवं मानसिक चेतना को स्वस्थ रखता है। करें योग, रहे निरोग, यह वैज्ञानिक सत्य है। मंत्री नन्दी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय संस्कृति की ध्वजा पूरी दुनिया में लहरा रही है। इस योग दिवस को संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता मिलना केवल व केवल प्रधानमंत्री के सर्व स्वीकार व्यक्तित्व के कारण संभव हुआ है, प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का विषय है। मंत्री नन्दी ने कहा कि यह भारतीय सनातन संस्कृति का स्वर्ण युग है। अभी हाल ही में तीर्थराज की पावन धरती पर सम्पन्न हुए महाकुम्भ में पूरी दुनिया ने भारत की आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक समृद्धि का साक्षात्कार किया है। प्रधानमंत्री के महामंत्र विकास भी और विरासत भी... ने हमारे अध्यात्मिक गौरव को एक नई पहचान दी है। योग हमारी आध्यात्मिक विरासत का अभिन्न अंग है। मंत्री नन्दी ने कहा कि प्रधानमंत्री के महामन्त्र विकास भी और विरासत भी ने हमारे आध्यात्मिक गौरव को एक नई ऊंचाई और एक नई पहचान दी है। योग भी हमारी महान आध्यात्मिक विरासत का एक अभिन्न अंग है। योग भारतीय संस्कृति और परम्परा का अमृत तत्व है। हमारे पूर्वजों की यह बहुमूल्य विरासत आज पूरी दुनिया को स्वस्थ शरीर और निरोग जीवन का मार्ग दिखा रही है ! हमारे शास्त्रों की इस अमूल्य देन ने शारीरिक स्वास्थ्य के साथ ही तनाव के इस युग में मानसिक स्वास्थ्य का भी मार्ग प्रशस्त किया है !योग एक सम्पूर्ण विज्ञान है ! एक ऐसी जीवनशैली जो हमें अनुशासन, संयम और जीवन का महत्त्व सिखाती है। यह एक ऐसी साधना है जिसको साधने वाले व्यक्ति को बीमारियों और दवाइयों से मुक्ति का वरदान मिल जाता है ! करें योग और रहें निरोग यह केवल कोई स्लोगन नहीं बल्कि एक प्रमाणित तथ्य और वैज्ञानिक सत्य है ! हमारे पूर्वज सन्तों और तपस्वियों ने तपोबल से जो दिव्य ज्ञान अर्जित किया योग उसकी एक अटूट शाखा है ! इस अवसर पर सांसद प्रवीण पटेल एम देवराज प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश शासन, संजीव कुमार एडीजी प्रयागराज, रवींद्र कुमार मांदड़ जिलाधिकारी प्रयागराज, जोगिन्दर कुमार पुलिस आयुक्त प्रयागराज, श्रीमती हर्षिता सिंह मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज, डॉ. मनोज कुमार सिंह क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, पीएन सिंह जिला विद्यालय निरीक्षक एवं अन्य गणमान्यजन मौजूद रहे।

फास्ट ट्रैक

रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (पेंशन) कार्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर हुआ योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन

भारत संवाद

प्रयागराजः आज प्रातः 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (पेंशन) कार्यालय, प्रयागराज में एक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध योगाचार्य श्री कृष्ण कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को विभिन्न योग आसनों एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और वैदिक मंत्रों के साथ किया गया, जिससे समस्त वातावरण में एक आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। योगाचार्य श्री शर्मा ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित और तनावमुक्त रखने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने योग को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (पेंशन) श्री संदीप सरकार ने सभी को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दीं और कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य, बल्कि मानसिक शांति और कार्यक्षमता को भी बढ़ाता है। उन्होंने कार्यालय परिसर में इस प्रकार के आयोजन को निरंतर बनाए रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में कार्यालय के सभी अधिकारी, कर्मचारीगण एवं उनके परिवारजन उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे और विभिन्न योग क्रियाओं का लाभ उठाया। योगाभ्यास सत्र में ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, अनुलोम-विलोम, कपालभाति, भ्रामरी एवं ध्यान जैसी विविध क्रियाएं कराई गईं, जिससे उपस्थित जनसमूह को शारीरिक एवं मानसिक रूप से अत्यंत लाभ हुआ। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। समापन पर सभी ने मिलकर ह्योग करें, रोग हटाएंह्व का संकल्प लिया। यह आयोजन न केवल स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाला रहा, बल्कि एक सामूहिक एकता एवं सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव भी सभी ने साझा किया।

योग भारतीय संस्कृति की प्राचीन धरोहर है, महापौर गणेश केसरवानी

- प्रयागराज में ही चार धाम, 12 ज्योतिर्लिंग वाले शिवालय पार्क का महापौर ने किया लोकार्पण
- शिवालय पार्क नैनी में नगर निगम के महापौर समेत नगर आयुक्त कई पार्षद अधिकारी गण ने किया योग

भारत संवाद

दिन शनिवार को 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर नगर निगम द्वारा अरैल नैनी स्थित शिवालय पार्क में योग का कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी, नगर निगम के नगर आयुक्त सीलम साई तेजा, नगर निगम के पार्षद गण अधिकारी गण उपस्थित रहे । योग के बाद महापौर ने सभी को 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दी एवं अपने संबोधन में कहा माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी सोच को प्रणाम है जिसमें आज का युवा बुजुर्ग योग को अपना रहे है, योग देश ही नहीं दुनिया में भी लोग योग को अपनाने लगे हैं जिससे उनके दैनिक जीवन का वास्तविक विस्तार होता है और उनके दिन के कार्यों में तीव्र गति से उत्पन्न होती है, योग से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है, योग तनाव कम करने में मदद करता है और मानसिक शांति प्रदान करता है, इस तरह के आयोजनों से समुदाय की भागीदारी बढ़ती है और लोग एक साथ आते हैं ।शिवालय पार्क के लोकार्पण में महापौर ने कहा कुंभ मेला 2025 के अंतर्गत 17 करोड़ रुपए की लागत से प्रयागराज को 12 ज्योतिर्लिंग चार धाम में समाहित शिवालय पार्क का निर्माण हुआ, जो कुंभ मेला 2025 के अंतर्गत तैयार हुआ था , कुंभ मेले के दौरान इस शिवालय पार्क का लोकार्पण नहीं हो पाया था पर लगातार अपने उद्बोधन में मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और प्रदेश के मुखिया श्री योगी आदित्यनाथ जी इस शिवालय पार्टी की चर्चा विश्व भर में करते रहे ।नगर आयुक्त ने अपने संबोधन में कहा महापौर जी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम से नगर वासियों को योग के महत्व के बारे में जागरूक करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर करछना के विधायक पीयूष रंजन निषाद जी, अपर नगर आयुक्त गण दीपेंद्र यादव, अरविंद राय, राजीव शुक्ला पार्षद गण क्षेत्रीय पार्षद रणविजय सिंह डब्बू पार्षद मयंक यादव शिव सेवक सिंह आनंद घड़ियाल सुनीता चोपड़ा रिया केसरवानी, बलराज पटेल संजय कुमार राकेश जयसवाल प्रदीप महारा नीरज टंडन मुकेश कसेरा सलामतुल्लाह आकाश सोनकर रितेश मिश्रा रूद्रसेन जायसवाल साहिल अरोरा ऋषि निषाद कार्यक्रम में पदुम जायसवाल राजन शुक्ला नर सिंह संजय श्रीवास्तव गिरिजेश मिश्रा आशीष द्विवेदी, सुनील केसरवानी, विजयलक्ष्मी पांडेय विवेक मिश्रा एसके पाठक सत्यम शुक्ला हरि कृष्णा तिवारी नागेश्वर निषाद दिवाकर सिंह मुख्य कर निर्धारण अधिकारी पी.के द्विवेदी, महाप्रबंधक जलकर कुमार गौरव, सभी विभागों के मुख्य अधिकारी गण सभी जोनल अधिकारी गण अधिशासी अभियंता जलकल, सिविल, विद्युत अवर अभियंता जलकर, सिविल, विद्युत नगर निगम के कर्मचारी गण उपस्थित रहे ।

पंखे से लटकी मिली महिला की लाश

भारत संवाद

प्रयागराज, एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसकी लाश पंखे से लटकी हुई मिली। विवाहिता के मायके वालों ने ससुराल वालों पर दहेज हत्या का आरोप लगाया है। पूरा मामला सराय ममरेज थाना क्षेत्र के हरिपुर मर्रो गांव का है। महिला का नाम रिहाना बानो (38) है। शनिवार को घर के कमरे में पंखे से लटकी लाश को देखते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। ??परिजनों के मुताबिक- रिहाना का पति मोहम्मद इमरान मुंबई में ओला कैब चलाता था। पिछले 7 महीने से गांव में था। उनके पिता शौकत अली बीड़ी बनाकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। रिहाना देर तक कमरे से बाहर नहीं आई, तो उनकी सास अलीमुन बानो ने खिड़की से देखा। उसी ने सभी पड़ोसियों को सूचना दी। इसके बाद आसपास के लोग इकट्ठा हुए और पुलिस को बुलाई गई। थाना अध्यक्ष योगेश प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे ।

उच्च न्यायालय के विधि म्यूजियम हाल में योगाभ्यास कार्यक्रम का हुआ आयोजन

न्यायमूर्तिगणों, अधिकारियों एवं विद्वान अधिवक्तागणों के द्वारा किया गया योगाभ्यास

भारत संवाद

भारत की परंपरागत विरासत योग को जन-जन के आरोग्य का माध्यम बनाये जाने एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य और वैश्विक स्थिरता के उद्देश्य और लोगों के संतुलित, पर्यावरण सचेत जीवन को बढ़ावा देने की भावना के साथ एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिये योग- की थीम पर मनाये जा रहे 11वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मा0 उच्च न्यायालय इलाहाबाद के विधि म्यूजियम के हाल में आयोजित सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में मा0 न्यायमूर्तिगणों, मा0 उच्च न्यायालय के अधिकारियों, विधि अधिकारियों एवं विद्वान अधिवक्तागणों के द्वारा पूरे मनोयोग व उत्साह के साथ योगाभ्यास किया गया। इस अवसर पर उपस्थित मा0 न्यायमूर्तिगणों व अन्य के द्वारा योगा के विभिन्न आसनों का योगाभ्यास व प्राणायाम क्रियाएं की गयी। योग प्रशिक्षक ने सर्वप्रथम वार्मअप कराकर योगाभ्यास का प्रारम्भ किया। तत्पश्चात ग्रीवा संचालन, स्कंध संचालन, कटिचालन, पादहस्थासन, अर्द्धचक्रासन, दण्डासन, वज्रासन, वक्रासन, ताणासन, वृक्षासन व अन्य आसनों के साथ कपालभाति, नाड़ी शोधन, शीतली प्राणायाम, ध्यान मुद्रा, भ्रामरी आदि प्राणायाम कराया तथा इनके महत्व एवं लाभ के बारे में बताते हुए प्रत्येक आसन की विधि व सावधानी के बारे में भी बताया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संभावित बाढ़ के दृष्टिगत जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक संपन्न

सभी आवश्यक तैयारियां समय से सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

भारत संवाद

सम्भावित बाढ़ के दृष्टिगत दिनांक-21.06.2025 को जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में जिलाधिकारी महोदय ने नगरीय / ग्रामीण क्षेत्रो में छोटे-बड़े नालो की साफ-सफाई, सीवरो की सफाई की जांच व खुले सीवर को ढकने के निर्देश दिये। पशुओ के लिए हरे चारे, भूसा एवं टीकाकरण, जर्जर पोल, ढीले तारो मोबाइल ट्रान्सफार्मर की व्यवस्था एवं विद्युत सप्लाई की अतिरिक्त व्यवस्था एवं तहसीलो में बनाये गये शरणालयों की जांच, गौशालियों की जाँच, खाद्यान्न सामग्री एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओ को पूर्ण कराने के निर्देश दिये गये। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी, प्रयागराज, मुख्य चिकित्साधिकारी, प्रयागराज, पुलिस उपायुक्त (नगर), प्रयागराज, अपर जिलाधिकरी (वि०/रा०) एवं अन्य सभी सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

नाजरथ अस्पता में योग सगभ का उत्साहपूर्वक आयोजन

भारत संवाद

प्रमागयाज, 21 जून 2025: प्रातः हुई हल्की वषाा की यवाह ककए बफना, नाजरथ अस्तार रयसय भें अतयााष्ट्रीम मोग ददवस के अवसय य उत्साहूवाक मोग सगभ का आमोजन ककमा गमा। सुफह 5:30 फजे शुरू हुए इस कामाक्रभ भें रगबग 200 स्टाप सदस्म औय छात्र-छात्राएँ शामभर हुए। सबी ने स्वास्म, सभयसता औय जागरूकता को सर्भात इस वैश्ववक वा भें ूये जोश के साथ बाग मरमा ।मोग सत्र का सचारन प्रमसद्ध मोगाचामाा श्रीभती ल्रवी दमार द्वाया ककमा गमा। उन्होंने प्रततबागगमों को र्वमबन्न मोग आसनों, ववास तकनीकों औय र्वश्राभ अभ्मासों के भाध्मभ से मोग की शश्तत का अनुबव कयामा। उनकी शात उश्स्थतत औय सहज भागादशान ने ूये वातावयण को आध्माश्त्भक ऊजाा से बय ददमा ।मह आमोजन अस्तार की सभग्र स्वास्म सेवा औय योगों की योकथाभ हेतु जागरूकता के उद्देवम से ककमा गमा था। प्रततबागगमों ने इस हर की सयाहना की औय कहा कक मह सत्र अत्मत ताजगी देने वारा औय ऊजाावान अनुबव यहा ।इस अवसय य तनदेशक पा. र्वन डीसूजा ने मोग को दैतनक जीवन भें शामभर कयने के भहत्व य फर ददमा औय सबी को तनममभत रू से मोग अभ्मास कयने के मरए प्रेरयत ककमा। कामाक्रभ का सभान सुफह 6:45 फजे धन्मवाद ज्ञान के साथ हुआ, श्जसभें मोगाचामाा श्रीभती ल्रवी दमार औय उनकी सहामक सुश्री बावना जैन के प्रतत आबाय व्मतत ककमा गमा ।इस सपर आमोजन के भाध्मभ से नाजरथ अस्तार ने एक फाय कपय अने सभुदाम भें स्वस्थ औय सतुमरत जीवनशैरी को फढावा देने की अनी प्रततफद्धता को मसद्ध ककमा।

बी एस एस एकेडमी में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर किया गया योग शिविर का आयोजन

भारत संवाद / संवाददाता प्रतापगढ़

बी एस एस एकेडमी, फुलवारी, प्रतापगढ़ में शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग शिविर लगाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक विनोद सिंह ने कहा कि योग का मतलब समझें और इसे अपने नियमित जीवन में लागू करें। मनुष्य को अपने जीवन में स्वस्थ एवं निरोगी रहने के लिए नियमित रूप से योगासन करना करना बेहद जरूरी है। प्रधानाचार्य अवधेश प्रताप सिंह ने योगा करने में कौन- कौन सी सावधानियां बरतनी चाहिए, इसके बारे में विस्तार से बताया। योगा थीम पर निबंध लेखन प्रतियोगिता में गौरव यादव प्रथम स्थान, संचित जायसवाल द्वितीय स्थान, जय सिंह और शौर्य सिंह तृतीय स्थान पर रहे। व्यायाम शिक्षक संजय सिंह, दिव्या साहू ने ताड़ासन, वृक्षासन, वज्रासन, सूर्य नमस्कार, हलासन, पर्वतासन, गरुणासन, पद्मासन, सर्वांगासन, भुजंगासन, प्राणायाम, त्रिकोणासन, अनुलोम -विलोम, ध्यान और ओम उच्चारण का अभ्यास कराया। छात्र शौर्य सिंह ने ध्यान और एकाग्रता, गौरव यादव ने योगा से होने वाले लाभ और प्रसन्नचित्त मन से योगा करने के बारे में बताया। मैनेजर धर्मेंद्र सिंह ने सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया।

उत्तर मध्य रेलवे, मुख्यालय में 11वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

महाप्रबंधक के नेतृत्व में रेल अधिकारियों और कर्मचारियों ने योग शिविर में किया प्रतिभाग

प्रधानमंत्री के मुख्य कार्यक्रम का किया गया सजीव प्रसारण

भारत संवाद

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की 10 वीं वर्षगांठ पर आज दिनांक 21.06.2025 को एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य की थीम के साथ उत्तर मध्य रेलवे, मुख्यालय में 11वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम विशाखापत्तनम में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा संबोधित मुख्य कार्यक्रम के सजीव प्रसारण के साथ प्रारंभ किया गया क स्थानीय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे श्री उपेंद्र चन्द्र जोशी के नेतृत्व एवं अध्यक्षा, उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन श्रीमती चेतना जोशी की उपस्थिति में उत्तर मध्य रेलवे, मुख्यालय के रेलगांव परिसर सूबेदारगंज में स्थित बैडमिंटन हॉल में योग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाप्रबंधक महोदय एवं अध्यक्षा, उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन का प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, उत्तर मध्य रेलवे श्री एस. बालाचन्द्र अय्यर द्वारा स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। महाप्रबंधक महोदय ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर उपस्थित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने सन्देश के साथ योग अभ्यास हेतु प्रोत्साहित करते हुए कार्यशाला का शुभारम्भ किया महाप्रबंधक महोदय ने अपने संदेश मे कहा कि, आज इस अवसर पर मैं उत्तर मध्य रेलवे के उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों और उनके परिजनों के स्वस्थ मानसिक एवं शारीरिक थथय की काम के साथ हार्दिक बधाई देता हूँ। योग का मुख्य उद्देश्य हमारे शरीर को मानसिक व शारीरिक रूप से स्वस्थ्य को रखना है। अतः हमें अपने जीवन में योग को आत्मसात करना होगा। योग प्राचीन भारतीय संस्कृति की एक ऐसी देन है, जिसने पूरे विश्व को मानसिक व शारीरिक रूप से स्वस्थ बनाये रखने के लिए प्रेरित किया है।

दिव्य संदेश

11वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं विश्व संगीत दिवस पर गूंजा योग और संगीत का दिव्य संदेश

उत्तराखंड के माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी, श्रीमती गीता धामी जी व उनके सुपुत्रों का 11 वें अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्सव के पावन अवसर पर परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश में आगमन

भारत संवाद

- परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी, डा साध्वी भगवती सरस्वती जी और विश्व के 25 से अधिक देशों से आये उच्चायुक्तों, राजदूतों और गणमान्य विभूतियों से की भेंटवार्ता
- माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी को रूद्राक्ष का पौधा भेंट कर किया अभिनन्दन

ऋषिकेश। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस और विश्व संगीत दिवस के पावन संयोग पर, उत्तराखंड के माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी, श्रीमती गीता धामी जी व उनके सुपुत्रों का आगमन परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश में हुआ। इस विशेष अवसर पर उन्होंने विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती में सहभाग किया और विश्व के 25 से अधिक देशों से पधारे राजदूतों, उच्चायुक्तों, वरिष्ठ अधिकारियों एवं अंतर्राष्ट्रीय योग साधकों के साथ भेंटवार्ता की। माननीय मुख्यमंत्री श्री धामी जी ने इस भव्य आयोजन की अध्यक्षता की। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी और डा साध्वी भगवती सरस्वती जी ने अपने प्रेरणाप्रद विचारों से कार्यक्रम को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान की। मंच पर योग, संस्कृति और सद्भाव के प्रतीक रूप में विभिन्न धर्मों, देशों और संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिन्होंने योग फॉर आल, वन अर्थ, वन हैल्थ की भावना को आत्मसात किया। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी ने अपने संबोधन में कहा, योग और संगीत दोनों ही आत्मा के स्पंदन हैं। जैसे हिमालय से सतत बहने वाली गंगा माँ की धारा है, वैसे ही उत्तराखंड की भूमि से योग और संगीत की प्राचीन परंपरा प्रवाहित हो रही है। उन्होंने कहा, हमारा प्रयास होना चाहिए कि योग के माध्यम से प्रकृति के साथ हमारे रिश्ते को हम और भी अधिक सशक्त बनाये। योग का उद्देश्य केवल स्वयं के स्वास्थ्य की चिंता नहीं, बल्कि समग्र पृथ्वी और पर्यावरण के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता है। मुख्यमंत्री जी ने यह भी कहा कि प्राणायाम शुद्ध प्राणवायु के बिना अधूरा है। जब वायु दूषित होगी, तो प्राणायाम कैसे प्रभावी होगा? इसलिए यह आवश्यक है कि हम अपनी नदियों, वनों और वायु को शुद्ध रखें, तभी योग पूर्ण होगा। यदि धरती स्वस्थ है, तो हम भी स्वस्थ रहेंगे और हमारा भविष्य भी सुरक्षित रहेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने प्रदेशवासियों और देशवासियों से आह्वान किया कि योग और संगीत को केवल एक दिन का उत्सव न मानें, इसे जीवन का अंग बनाएं। योग हमारे विचारों को निर्मल करता है, और संगीत हमारे हृदय को शांत करता है। जब यह दोनों जीवन में समाहित होते हैं, तो भीतर एक दिव्य समरसता जन्म लेती है। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि योग केवल आसन या प्राणायाम नहीं है, यह एक समग्र जीवनशैली है। जब हम स्व के साथ जुड़ते हैं, तभी हम समष्टि की सेवा कर सकते हैं। वन अर्थ, वन हैल्थ तभी सार्थक हो सकता है जब हम प्रकृति, जल, वायु, मिट्टी और समस्त जीवन स्त्रोतों की भी उतनी ही चिंता करें जितनी अपने स्वास्थ्य की करते हैं। यदि धरती स्वस्थ है तो हम और हमारा भविष्य भी स्वस्थ रह सकता है।

इफको घियानगर फूलपुर में 11 वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

भारत संवाद

इफको घियानगर फूलपुर में 11 वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस वर्ष का विषय एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग है। कार्यक्रम का आरंभ आर्ट ऑफ लिविंग के योग गुरु बृहस्पति पाण्डेय तथा बाल कृष्ण यादव के नेतृत्व में सभी लोगों द्वारा सूर्य नमस्कार के हुआ। योग गुरु ने लोगों को प्राणायाम, योगासन्न तथा ध्यान का प्रशिक्षण दिया तथा इससे मिलने वाले लाभ के बारे में बताया जैसे अनुलोग-विलोम प्राणायाम, भ्रामरी प्राणायाम, शीतली प्राणायाम, भस्त्रिका प्राणायाम, कपालभाति प्राणायाम, भ्रामरी प्राणायाम, चन्द्रभेदन प्राणायाम, वृक्षासन, मंडूकासन, शशांकासन, सुप्तवज्रासन, उत्कटासन, पश्चिमोत्तानासन आदि। वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया ने कहा कि स्वास्थ्य, दीघार्यु व खुशहाल जीवन के लिए योग को अपने दैनिक दिनचर्या का हिस्सा अवश्य बनाए तथा प्रतिदिन इसका अभ्यास करें क्योंकि योग का दीर्घकालीन लाभ है। कार्यक्रम का संचालन डी.के.शुक्ल ने किया। इस दौरान कार्यकारी निदेशक (तकनीकी) संजय वैश्य, वरिष्ठ महाप्रबंधक ए.पी.राजेन्द्रन, महाप्रबंधक पी.के. सिंह, संयुक्त महाप्रबंधक क्रमशः अरूण कुमार, ए.के.गुप्ता, संदीप गोयल विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर तथा बड़ी संख्या में महिलाएं व बच्चे कार्यक्रम में शामिल रहे।

नगर पंचायत चेयरमेन व सांसद सतीश गौतम ने किया योग

योग दिवस पर सांसद ने किया योग

गोपाल शर्मा संवादाता गभाना / भारत संवाद

कस्बा गभाना के शारदा मैरिज होम पर योग दिवस के उपलक्ष्य पर सांसद सतीश गौतम और नगर पंचायत अध्यक्ष अभिमन्यु राज सिंह और एसडीएम गभाना विनीत मिश्रा ने योग किया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 11 दिसंबर 2014 को 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा की थी सांसद ने कहा की योग शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अनमोल उपहार है उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 11 वर्षों में योग को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई नगर पंचायत के सैकड़ो नागरिक युवा और महिलाएं योग सत्र में शामिल हुए इस कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख पति रेशमपाल सिंह,मंडल अध्यक्ष विपिन कुमार,सभासद नरेंद्र शर्मा,सतपाल सुमन,भुवनेश गोयल, राजकुमार सिंह, चरन सिंह,राजू अग्रवाल आदि लोग मौजूद रहे

जनपद में भव्यता एवं सामूहिकता के साथ लाखों लोगों ने किया योग अभ्यास

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जनपद हुआ योगमय

- एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम पर आयोजित हुआ 11 वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस
- योग को अपनी दिनचर्या में करें शामिल, बढ़ाएं स्वास्थ्य सुरक्षाः जिलाधिकारी

भारत संवाद

सहारनपुर। एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम पर आधारित ग्यारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर डॉ0 भीमराव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ गणेश वंदना के साथ भगवान गणेश जी के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। समस्त तहसीलों, निकायों, ब्लाकों एवं ग्राम पंचायतों में भी योग कार्यक्रम आयोजित किए गये। सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में महापौर डॉ0 अजय कुमार सिंह मुख्य अतिथि एवं प्रमुख सचिव, कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग उत्तर प्रदेश शासन एवं जनपद के नोडल अधिकारी श्री रविन्द्र विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। योगाभ्यास कार्यक्रम की अध्यक्षता योग गुरू आचार्य प्रतिष्ठा द्वारा की गई। जिसमें वृहद स्तर पर सहारनपुर नगर निवासियों, जनमानस व विभिन्न विभागों से आए अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूरे उत्साह वह ऊर्जा के साथ विभिन्न योगक्रियाओं एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। योग गुरू पुरूष, महिलाओं एवं बच्चों व हर उम्र के व्यक्तियों को योगाभ्यास से स्वस्थ रहने के योग मंत्र सिखाएं।

आचार्य संगीता शर्मा ने योग के प्रति जागरूक किया

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर लोगो ने योग कर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को उत्साह के साथ मनाया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आचार्य संगीता शर्मा ने योग के महत्व के बारे में जानकारी देकर लोगों ने योग करने के प्रति जागरुक किया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जेसी पार्क, लेन -2 मिशन कंपाउंड में आयोजित कार्यक्रम में आचार्य संगीता शर्मा द्वारा लोगों को योग दिवस पर प्रेरित किया। उन्होंने बताया 2015 से योग दिवस शुरू हुआ था और उन्हें योग करते हुए 10 साल हो गए। अपनी आत्मा से जुड़ने का नाम योग है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे विश्व में 21 जून को मनाया जाता है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में इस दिन को मनाने का प्रस्ताव रखा था।

आचार्य संगीता शर्मा ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि जीवन को संतुलन और शांति देने की कला है। इस दिन का उद्देश्य सभी को योग के लाभ के जोड़ना है उन्हें स्वस्थ जीवन की दिशा से प्रेरित करना है।

फास्ट ट्रैक

एदल सिंह चौहान बने भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति युवा के जिला अध्यक्ष

डोली शर्मा संवादाता महानगर/ भारत संवाद

अलीगढ़। जनपद के लोधा गांव निवासी ऐदल सिंह चौहान पुत्र सुरेश सिंह चौहान - प्रगतिशील युवा किसान नेता ,जनपद के युवाओं में लोक प्रिय की संघर्षशीलता को देखते हुए भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्योराज सिंह ने ऐदल सिंह चौहान को जिला अलीगढ का युवा जिला अध्यक्ष शुक्रवार को मनोनीत किया है। आज ऐदल सिंह को संगठन के विरिष्ठ पदाधिकारियों ने उनके गांव लोधा आकर मनोनयन पत्र सौपा इनके मनोनयन से क्षेत्र के किसानों ने बधाई दी है।

इगलास में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित, 30 शिकायतें दर्ज

भारत संवाद / योगेश शर्मा

इगलास (अलीगढ़)। तहसील मुख्यालय सभागार में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी संजय मिश्रा ने की। इस दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 30 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिन्हें संबंधित विभागीय अधिकारियों को सौंपते हुए एक सप्ताह के भीतर निस्तारण के निर्देश दिए गए। शिकायतों में सर्वाधिक 13 मामले विकास विभाग से जुड़े रहे। इसके अतिरिक्त राजस्व विभाग से 11, विद्युत विभाग से 4, जबकि पुलिस और आपूर्ति विभाग से 1-1 शिकायत प्राप्त हुई। उपजिलाधिकारी संजय मिश्रा ने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। तहसीलदार रतन कुमार भी समाधान दिवस के संचालन में मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान राजस्व निरीक्षक मोहम्मद शरीफ, राजेंद्र प्रसाद, हरवीर सिंह, लेखपाल मकरध्वज सिंह, नीतेंद्र सिंह, देवकांत तथा पुलिस उपनिरीक्षक सुरेश चंद्र सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा पुलिस लाइन में अधिकारी/कर्मचारीगण व नये रिक्रूटों के साथ किया गया योगाभ्यास

आज दिनांकः 21जून 2025 को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर के निर्देशन में पुलिस लाइन मीरजापुर तथा जनपद के समस्त थानों एवं पुलिस चौकियों पर पुलिसकर्मियों द्वारा योगा किया गया। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा पुलिस लाइन मीरजापुर योगगुरु के उपस्थिति में पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण व नये रिक्रूटो को योग के प्रति जागरुक करते हुए विभिन्न प्रकार के योगासन कराए गए। योगगुरु द्वारा मानव जीवन में योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित समस्त पुलिसकर्मियों व नये रिक्रूटों को नियमित रुप से योगाभ्यास करने हेतु प्रेरित किया गया।

थाना विन्ध्याचल पुलिस द्वारा 325 ग्राम अवैध गांजा के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही तथा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री पर अंकुश लगाते हुए तस्करी में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये हैं। उक्त निर्देश के अनुक्रम में दिनांकः 20.06.2025 को उपनिरीक्षक राजकुमार पाण्डेय मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना विन्ध्याचल क्षेत्रांतर्गत रेलवे स्टेशन के पास से एक नफर अभियुक्त सोनी पुत्र संजय निवासी न्यू वीआईपी रोड़ गली थाना विन्ध्याचल जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया।

11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर नगर निगम ने किया योग शिविर का आयोजन

महापौर और नगर आयुक्त के साथ पार्षद अधिकारी व कर्मचारियों ने योग को जीवन की आदत बनाने का लिया संकल्प

डोली शर्मा संवादाता महानगर/ भारत संवाद

अलीगढ़। नगर निगम ने 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर में योग शिविर का आयोजन किया। इस अवसर पर महापौर प्रशांत सिंघल और नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा के नेतृत्व में नगर निगम के पार्षद अधिकारी और कर्मचारियों ने योग को अपने जीवन में शामिल करने और इसको अपनी आदत बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान महापौर प्रशांत सिंघल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में योग की वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की एक अलग पहचान बनी है योग हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने योग दिवस के अवसर पर आयोजित इस योग शिविर मे शामिल सभी पार्षद अधिकारी कर्मचारी और योग गुरुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा आने वाले दिनों में अलीगढ़ नगर निगम का उद्देश्य लोगों को योग के महत्व के बारे में जागरूक करना है। योग शिविर में नगर निगम के उप सभापति दिनेश जादौन, पार्षद राकेश ठाकुर,लाल सिंह,विनीत यादव,राजकुमार,विनोद माहौर,योगेश सिंघल,दीपक चौधरी,मनोज कुमार मौजूद रहे साथ ही इस योग शिविर में उप नगर आयुक्त अमित कुमार ,सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह,मुख्य अभियंता सुरेश चंद,नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.मुकेश कुमार,पशु कल्याण अधिकारी डॉ.राजेश वर्मा,कर निर्धारण अधिकारी आरपी सिंह, अधिकारी लेखाधिकारी भारत कुमार दुबे, सहायक अभियंता पुष्पेंद्र सिंह,लेखाकार प्रेम प्रकाश शर्मा,कर अधीक्षक विशाल सिंह,आरके कमल,कर्मचारी कल्याण संघ के अध्यक्ष संजय सक्सेना,मीडिया सहायक एहसान रब,एसएफआई बिशन सिंह,प्रदीप पाल,हाकिम सिंह, राजकुमार बंसल,सुबोध शर्मा, अकील, विनय,संदीप, अभिनव और रजत आदि योग शिविर में मौजूद रहे।

उन्मुखीकरण में नवचयनित कर्मचारियों को मिला कार्यदिशा का मार्गदर्शन

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विभाग द्वारा नवचयनित शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. पीके दशोरा, कुलसचिव ब्रिगेडियर समरवीर सिंह, परीक्षा नियंत्रक प्रो. दिनेश शर्मा और डीन एकेडमिक प्रो. राजीव शर्मा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया। नवचयनित कर्मचारियों को संस्थान की कार्यप्रणाली, अपेक्षाओं और उत्तरदायित्वों की जानकारी देते हुए कर्तव्य निष्ठा का पाठ पढ़ाया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. दशोरा ने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी का व्यक्तिगत विकास तभी सार्थक है, जब वह संस्थान के विकास से जुड़ा हो। उन्होंने कर्मचारियों से निरंतर ज्ञान और कौशल बढ़ाने का आह्वान किया ताकि विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सके। कुलसचिव ब्रिगेडियर समरवीर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय नेक ए प्लस ग्रेड प्राप्त कर चुका है, लेकिन अब हमें नेक ए प्लस प्लस की ओर बढ़ना है। इसके लिए आवश्यक है कि अपना काम पूरी जिम्मेदारी और गुणवत्ता के साथ करें। डीन एकेडमिक प्रो. राजीव शर्मा ने नई शिक्षा नीति व शैक्षणिक सत्र के क्रियान्वयन पर विस्तृत जानकारी दी। डिप्टी रजिस्ट्रार (एचआर) प्रो. अंकुर अग्रवाल ने एचआर नियमावली व प्रबंधन से जुड़ी जानकारियां साझा कीं। डायरेक्टर एडमिशन प्रो. सौरभ कुमार ने प्रवेश प्रक्रिया और मार्केटिंग की जानकारी दी। डा. मनोज वार्ष्णेय ने ईआरपी पोर्टल, प्रो. अनुराग शाक्य ने ओडीएल और आनलाइन प्रोग्राम्स तथा डा. अर्सी मलिक ने ट्रेनिंग व प्लेसमेंट सेल की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन एचआर मैनेजर अनुज सिन्हा ने किया। इस दौरान वित्ताधिकारी मनोज गुप्ता, प्रो. वाईपी सिंह, प्रो. अशोक पुरोहित, प्रो. किशनपाल सिंह, डा. संतोष गौतम, डा. अशोक उपाध्याय, डा. फैज खान, उमेश चंद्र शर्मा, कैप्टन लक्ष्मण सिंह आदि ने भी विचार रखे। इस अवसर पर प्रो. महेश कुमार, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. सिद्धार्थ जैन, प्रशासनिक अधिकारी गोपाल राजपूत, विजया सिंह, मनीष सिंह, रामानंद मिश्रा आदि थे।

पेयजलापूर्ति में सुधार के दिखे आसार-227 नलकूपों का संचालन व मेंटिनेंस होगा पुख्ता

- जल्द शहर के ट्यूबवेल होंगे तकनीकी रूप से संचालित- स्काडा, ऑटोमेशन से सुधरेगी नलकूपों की स्थिति-नलकूपों के रख रखाव पर अनावश्यक व्यय से मिलेगी जल्द निजात
- ट्यूबवेल ऑपरेटर द्वारा नलकूप न चलाने और समय से पहले बंद करने, समय से पेयजल आपूर्ति न खोलने और समय से पेयजल आपूर्ति बंद न करने की शिकायतों पर नगर आयुक्त ने लिया बड़ा एक्शन

भारत संवाद

जल्द शहर के 227 नलकूपों के संचालन और मेंटेनेंस की जिम्मेदारी संभालेगी एजेन्सी-नगर निगम ने नलकूपों के रख रखाव व संचालन के लिए आमंत्रित की ई निविदाएं पार्षद वार्डो में पार्षदों और नागरिकों द्वारा क्षेत्र में ट्यूबवेल ऑपरेटर द्वारा समय से पेयजल आपूर्ति नहीं देने, नलकूप को समय से नहीं चलाने, पेयजल आपूर्ति को समय से पहले बंद करने, ऑपरेटर के न रहने जैसी घटनाओं पर नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने एक्शन लेते हुए जलकल विभाग द्वारा संचालित नगर निगम के 90 पार्षद वार्ड अंतर्गत 227 नलकूपों के संचालन और रखरखाव के लिए ई टेंडर प्रक्रिया आमंत्रित की है।

नगर आयुक्त ने कहा

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि आम नागरिकों को पेयजल आपूर्ति समय से उपलब्ध कराने की दिशा में यह कदम उठाया गया है नगरीय सीमा में 227 नलकूपों के संचालन और रखरखाव के लिए ई टेंडर प्रक्रिया आमंत्रित की गई है। उन्होंने बताया कि इस व्यवस्था से नलकूपों के रख रखाव पर अनावश्यक व्यय में कमी आने के साथ साथ बार बार नलकूपों के खराब होने, टंकी में पानी भरने, समय से पेयजलापूर्ति चालू होने के साथ साथ विद्युत आपूर्ति का भी अपव्यय कम होगा। ऑटोमेशन होने के कारण नलकूप ऑटोमेटिक संचालित होंगे जिसके कारण बार-बार ब्रेकडाउन के कारण आमजनमास को होने वाली परेशानियाँ से राहत मिलेगी ब्रेकडाउन के समय में भी कमी आयेगी।

महापौर का बयान

शहर की पेयजल आपूर्ति को प्रभावी बनाने की दिशा में नलकूपों का रखरखाव और संचालन बेहद महत्वपूर्ण है इस दिशा में अलीगढ़ नगर निगम द्वारा पेयजलापूर्ति को प्रभावी बनाने के लिए सराहनीय कदम उठाया गया है।

मिलेगा लाभ

नई व्यवस्था के लागू होने से निश्चित रूप से पेयजल आपूर्ति प्रभावी बनेगी समय अंतर्गत बनेगी और इसका सीधा फायदा आम नागरिकों को मिलेगा इस व्यवस्था से रख-रखाव पर होने वाले व्यय में कमी होंगी ऊर्जा खपत में कमी होंगी टूट-फूट में कमी, मशीनों की आयु में बढ़ोत्तरी, जलापूर्ति हेतु जल के उत्पादन में बढ़ोत्तरी, जनप्रतिनिधियों / आमजनमानस में विभागीय कार्मिकों के प्रति बेहतर संबंध, कार्यबल पर मानसिक और शारीरिक दबाव में कमी, सुरक्षा जोखिम और दुर्घटनाओं की संभावना में कमी, आमजनमास में विभाग की बेहतर छवि, अच्छी व गुणवत्ता युक्त जलापूर्ति, वास्तविक समय निगरानी।

समाजसेवी रामबिलास पाठक ने प्राचार्य भालचंद्र दलवी का स्वागत किया

भारत संवाद / आदेश मिश्र/मुंबई

मुंबई के घाटकोपर पश्चिम स्थित सन ग्रेस हाईस्कूल और जुनियर कॉलेज का मार्च-2025 एस.सी.परीक्षा रिजल्ट 100% आने पर घाटकोपर के वरीष्ठ समाजसेवी राम विलास पाठक ने विद्यालय के प्राचार्य भालचंद्र दळवी सर से स्नेहिल मुलाकात कर उन्हे श्री राम नामी शाल और पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। और विद्यालय के उज्वल भविष्य की कामना के साथ दलवी सर को शुभकामनाएं दी।

पुलिस ने वारण्टी आरोपी किया गिरफ्तार

भारत संवाद

सहारनपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपराध नियंत्रण व वांछित वारण्टी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी द्वितीय के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक कपिल देव के कुशल नेतृत्व में आज चेकिंग गस्त के दौरान थाना कोतवाली देहात पुलिस टीम द्वारा 01 वारंटी आरोपी अमजद उर्फ टैपर पुत्र महमूद हसन निवासी आरके पुरम कालोनी चिलकाना रोड थाना कोतवाली देहात जनपद सहारनपुर को आरके पुरम कालोनी के पास से गिरफ्तार किया गया गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

पेट्रोल पम्प निमार्ण को अवैध बताया, कार्यवाही की मांग

सहारनपुर। जिलाधिकारी को दिए प्रार्थना पत्र में वार्ड सं0-16, साउथ सिटी कालोनी के कालोनीवासियों ने अवगत कराते हुए बताया कि जिला सहारनपुर में दिल्ली रोड पर वार्ड सं0-16 में माननीय पूर्व सांसद राघव लखनपाल के निवास के सामने साउथ सिटी नाम की एक पॉश कॉलोनी वर्ष 1999 से स्थापित है। उक्त कालोनी के चारो तरफ दीवार बनी है व एक गेटिड कॉलोनी है। उक्त कालोनी नदीम अख्तर व उसके परिवार के सदस्यों द्वारा वर्ष 1999 में काटी गई थी और उक्त कालोनी में लगभग 90 प्रतिशत प्लाट नदीम अख्तर व उसके परिवार वालों ने बेच दिये थे जिन हम कालोनीवासी अपने-2 मकान बनाकर निवास करते चले आ रहे हैं तथा उक्त कालोनी पूर्ण रूप से आवासीय कालोनी है। उक्त कालोनी वर्तमान में नगर निगम व सहारनपुर विकास प्राधिकरण के अधिकार क्षेत्र में है एवं नदीम अख्तर व उसके परिवार के सदस्यों के पास मात्र कुछ प्लाट ही बचे हैं।

जल्द होगी अचल तालाब की 32 दुकानों की खुली नीलामी

भारत संवाद

अलीगढ़ के ऐतिहासिक अचल तालाब के मुख्य मार्ग पर निर्मित 32 दुकानों की खुली नीलामी आगामी 8 जुलाई 2025 को जवाहर भवन में आयोजित की जाएगी। नीलामी आमंत्रित करने के लिए नगर निगम द्वारा नीलामी सूचना का प्रकाशन कराया गया है। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया अचल तालाब के भू तल पर 11७14 साइज की 31 दुकान है जिनकी जमानत धनराशि 102400 रखी गयी है जबकि भू तल पर ही 14.6७18.9 साइज की 1 दुकान है जिसकी नीलामी हेतु जमानत धनराशि 180750 रखी गयी है। इच्छुक व्यक्ति निर्धारित जमानत धनराशि नियमानुसार जमा करने के उपरांत नीलामी में प्रतिभाग कर सकेंगेउन्होंने बताया नीलामी की विस्तृत जानकारी शर्तें नगर निगम कमरा नंबर 211 में किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती हैं इच्छुक व्यक्ति निर्धारित जमानत धनराशि का बैंक ड्राफ्ट नगर आयुक्त नगर निगम अलीगढ़ अथवा नगद धनराशि जमा कर नीलामी में भाग ले सकता है। नीलामी से सम्बंधित हेल्पलाइन नम्बर 8474944445 9450332393 पर संपर्क कर सकते है। महापौर प्रशांत सिंघल ने कहा दुकानों की नीलामी होने से नगर निगम की आय में वृद्धि होगी और अलीगढ़ के व्यापारियों को रोजगार की नई दिशा मिलेगी

युद्ध स्तर पर चल रहा ढमोला सफाई अभियान

नगर निगम द्वारा दो पोकलन से हर रोज कराया जा रहा सफाई कार्य

सहारनपुर। बरसात में ढमोला नदी से इलाकों को बाढ़ व जल भराव से बचाने के लिए नगर निगम द्वारा ढमोला नदी का सफाई अभियान युद्ध स्तर पर चलाया जा रहा है। करीब एक दर्जन कॉलोनियों के निकट ढमोला नदी की सफाई की जा चुकी है और अभियान जारी है। महापौर डॉ. अजय कुमार व नगरायुक्त शिपू गिरि ढमोला सफाई अभियान का दो-दो बार निरीक्षण कर चुके हैं।

उत्तर मध्य रेलवे

No. 74-W/Tender/E/3320252026
Date : 20.06.2025

शुद्धि पत्र सं. 1

ई निविदा सूचना संख्या - 3320252026-110 दिनांक : 12.06.2025, **कार्य का नाम** : प्रयागराज-ललितनगर कॉलोनी की सड़कों जल निकासी व्यवस्था में सुधार, **के रूप में पढ़ा एवं समझा जाये** : प्रयागराज-ललितनगर कॉलोनी की सड़कों और जल निकासी व्यवस्था में सुधार। **नोट** : अन्य सभी शर्तें पूर्ववत रहेंगी। 1027/25 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई-नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज रेलवे बोर्ड के पत्र दिनांक 13.06.2022 के अंतर्गत प्रयागराज मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर बहुउद्देश्यीय स्टाल, फ्रूट और जूस बार, पार्किंग तथा ऑडियो विज्ञापन अनुबंध के लिए **आईआरईपीएस** के ई-नीलामी मॉड्यूल के माध्यम से बोलियां आमंत्रित करता है।

कैटरिंग:

SN	Details of publicity	E-Auction catalogue No.	E-Auction Start Date & Time
1	**05 वर्ष की अवधि के लिए विभिन्न स्टेशनों पर फल और जूस बार इकाइयाँ:** फिरोजाबाद (01 स्थान), शिकोहाबाद (01 स्थान), कानपुर (01 स्थान), इटावा (01 स्थान), प्रयागराज (01 स्थान), मानिकपुर (01 स्थान), टूंडला (01 स्थान), फफूंद (01 स्थान)	PRYJ-CATG-25-23	25.06.2025 at 11:00 hrs
2	**05 वर्ष की अवधि के लिए विभिन्न स्टेशनों पर बहुउद्देश्यीय इकाइयाँ:** प्रयागराज (05 स्थान)	PRYJ-MPS-25-09	25.06.2025 at 11:00 hrs
पार्किंग			
1	(1) इटावा (2) हाथरस जंक्शन रेलवे स्टेशन पर 03 वर्षों के लिए दो पहिया, तीन पहिया एवं चार पहिया वाहन पार्किंग स्टैण्ड उपलब्ध है।	PRKING-ETW-HRS	27.06.2025 at 11:00 hrs
एन ऍफ आर			
1	प्रयागराज मंडल के प्रयागराज, कानपुर और अलीगढ़ तीन (03) स्टेशनों के प्लेटफार्मों पर पीए सिस्टम के माध्यम से ऑडियो विज्ञापनों के साथ इंटरलेस्ड स्वचालित ट्रेन सूचना और घोषणाओं के लिए तीन साल की अवधि के लिए ई-नीलामी।	NFR-PRYJ-Audio	26.06.2025 at 10:00 hrs

इच्छुक बोलीदाता अधिक जानकारी के लिए, ई-नीलामी में भाग लेने के लिए आधिकारिक वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जा सकते हैं। **1.** बोलीदाताओं, जो ई-नीलामी मॉड्यूल में भाग लेना चाहते हैं, के पास वैध डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र (डीएससी) होना चाहिए और इसे भारत सरकार के प्रमाणन प्राधिकरण (सीसीए) के नियंत्रक के किसी भी प्रमाणित प्राधिकारी से प्राप्त किया जा सकता है, इसका विवरण **www.cca.gov.in** से प्राप्त किया जा सकता है। **2.** बोलीदाताओं को **आईआरईपीएस** (वाणिज्यिक नीलामी मॉड्यूल) में खुद को ऑनलाइन पंजीकृत कराना होगा। **3.** एकमुश्त पंजीकरण शुल्क रु. 10,000.00/- और लागू जीएसटी (गैर-वापसी योग्य) को किसी भी व्यावसायिक नीलामी में भाग लेने से पहले ऑनलाइन भुगतान करना होगा। **4.** इस ई-नीलामी के संबंध में अधिक जानकारी, आवश्यकता और विभिन्न पहलुओं के लिए, इच्छुक बोलीदाताओं को **http://www.ireps.gov.in/epsn/jsp/common/learningCenter.jsp** पर जाने की सलाह दी जाती है। **5.** अर्निंग मनी डिपॉजिट (ईएमडी): नीलामी के दौरान ऑनलाइन जमा की जाने वाली कुल संविदात्मक बोली मूल्य का 5%, सफल बोलीदाता की ईएमडी सुरक्षा जमा के रूप में रखी जाएगी। **6.** रेल प्रशासन किसी भी समय (या कोई निर्णय लेने के लिए) इन अनुबंधों को समाप्त करने का पूर्ण और पूर्ण अधिकार सुरक्षित रखता है। **7.** रेल प्रशासन इन गाड़ियों के जारी रहने/बंद होने या नई गाड़ी सेवाओं के शुरू होने के आधार पर किसी भी समय (या कोई निर्णय लेने के लिए) इन अनुबंधों को समाप्त करने का पूर्ण और पूर्ण अधिकार सुरक्षित रखता है। (यह मद एस एल आर/वी पी को पट्टे पर देने से सम्बंधित है) **8.** सफल बोली लगाने वाले को समय-समय पर भारत सरकार द्वारा प्रभावी जीएसटी का भुगतान करना होगा। रेल प्रशासन इसके लिए उत्तरदाई नहीं होगा। **1074/25 (ADM)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित। संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा। फोन नं0.05324012522 मो0-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939 (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

एकादशी के दिन भगवान विष्णु को चढ़ाएं अपराजिता

ऐसा माना जाता है कि भगवान विष्णु को पुष्प अर्पित करने से जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली बनी रहती है। साथ ही, सकारात्मकता का भी संचार होता है। भगवान विष्णु को अलग-अलग पुष्प चढ़ाने के भिन्न-भिन्न लाभ होते हैं।

एकादशी का दिन भगवान विष्णु को समर्पित होता है और इस दिन उनकी पूजा-अर्चना करने का विशेष महत्व है। एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा के दौरान उन्हें कई प्रकारके फूल अर्पित किए जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि भगवान विष्णु को पुष्प अर्पित करने से जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली बनी रहती है। साथ ही, सकारात्मकता का भी संचार होता है। भगवान विष्णु को अलग-अलग पुष्प चढ़ाने के भिन्न-भिन्न लाभ होते हैं।

एकादशी के दिन भगवान विष्णु को अपराजिता अर्पित करने के लाभ

अपराजिता का फूल धन और समृद्धि से जुड़ा हुआ है। माना जाता है कि इसे भगवान विष्णु को चढ़ाने से आर्थिक परेशानियां दूर होती हैं और घर में धन का आगमन होता है। खास तौर पर सफेद अपराजिता का फूल माता लक्ष्मी को भी बहुत प्रिय है और एकादशी पर इसे चढ़ाने से धन-धान्य की कमी नहीं होती।

अपराजिता नाम का अर्थ ही है जो कभी पराजित न हो। यह फूल नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने और सकारात्मकता को आकर्षित करने में सहायक माना जाता है। एकादशी के दिन इसे भगवान को अर्पित करने से घर से नकारात्मकता का प्रभाव समाप्त होता है और सकारात्मक ऊर्जा का वास बना रहता है।

भगवान विष्णु को अपराजिता का फूल चढ़ाने से व्यक्ति को अपने कार्यों और जीवन में आने वाली बाधाओं पर विजय प्राप्त होती है। यह मनोकामनाओं की पूर्ति में भी सहायक होता है क्योंकि भगवान विष्णु प्रसन्न होकर भक्तों की इच्छाएं पूरी करते हैं। अपराजिता के फूल का संबंध विभिन्न ग्रहों से भी होता है।

भगवान विष्णु को एकादशी के दिन अपराजिता का फूल चढ़ाने से ग्रह दोष दूर होता है। विशेष रूप से अपराजिता भगवान शिव और शनिदेव का प्रिय माना जाता है। ऐसे में इसे भगवान विष्णु को चढ़ाने से शिव जी का भी आशीर्वाद मिलता है और शनि दोष, शनि की साढ़े साती एवं शनी ढैय्या से राहत मिलती है।

एकादशी का व्रत और पूजा भगवान विष्णु के प्रति समर्पण का भाव जगाती है। अपराजिता का फूल चढ़ाकर पूजा करने से आध्यात्मिक शांति मिलती है, मन एकाग्र होता है और मोक्ष की प्राप्ति के मार्ग प्रशस्त होते हैं। यह भक्ति और साधना को और भी अधिक प्रभावी बनाता है और भगवान से हमें जोड़ता है।

आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि कब से होगी शुरू? तिथि, महत्व और इससे जुड़े जरूरी नियम

आषाढ़ मास में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि के दिन गुप्त नवरात्रि की शुरुआत होती है। चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जाती है। वहीं, गुप्त नवरात्रि में देवी की दस महाविद्याओं की साधना की जाती है। इस दौरान तांत्रिक, अघोरी तंत्र मंत्र और सिद्धि प्राप्त करते हैं। ऐसे में गुप्त नवरात्रि का महत्व बहुत विशेष होता है। इस दौरान देवी की साधना करने से मनोकामनाएं पूर्ण हो सकती है। आइए विस्तार से जानें गुप्त नवरात्रि शुरू होने की तिथि, नियम और महत्व...

आषाढ़ मास 12 जून, गुरुवार से आरंभ हो चुका है। इस महीने में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि के दिन आषाढ़ गुप्त नवरात्रि की शुरुआत हो जाती है। पूरे वर्ष में चार नवरात्रि आती हैं, जिनमें से एक गुप्त नवरात्रि होती है। हिंदू धर्म में इन नौ दिनों का बहुत खास महत्व होता है। एक गुप्त नवरात्रि माघ में भी आती है। मान्यता है कि ये नवरात्रि सिद्धि और साधना के लिए बहुत महत्वपूर्ण होती हैं। साथ ही, तंत्र मंत्र के साधक की इन दिनों में विशेष रूप से साधना रखते हैं। गुप्त नवरात्रि लोगों के बीच ज्यादा प्रचलित नहीं है, जिसके पीछे का कारण यही है कि इसमें तंत्र मंत्र के साधक ज्यादा साधना रखते हैं। माना जाता है कि इस दौरान मां दुर्गा और उनकी 10 महाविद्याओं की पूजा करने से व्यक्ति को विशेष फल की प्राप्ति हो सकती है। ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि शुरुआत कब से होगी और इससे जुड़े जरूरी नियम...

आषाढ़ मास गुप्त नवरात्रि 2025 तिथि

इस साल आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि 26 जून से शुरू हो रही है और इसका समापन 04 जुलाई को होगा। यानी इस बार गुप्त नवरात्रि पूरे नौ दिनों तक रहेगी। गुप्त नवरात्रि के लिए घट स्थापना का शुभ मुहूर्त ध्रुव योग और आर्द्रा नक्षत्र में रहेगा। वहीं, 3 जुलाई के दिन दुर्गा अष्टमी मनाई जाएगी और नवमी तिथि का समापन शाम के समय 4 बजकर 32 मिनट पर होगा। प्रतिपदा तिथि की शुरुआत- 26 जून, गुरुवार को सूर्योदय के पूर्व से ही प्रतिपदा तिथि शुरू हो जाएगी।

आषाढ़ मास गुप्त नवरात्रि नियम

माना जाता है कि भूलकर भी गुप्त नवरात्रि में तामसिक भोजन जैसे- मांस, प्याज, लहसुन आदि का सेवन नहीं करना चाहिए। साथ ही, इस अवधि के दौरान मदिरा से भी दूरी बनाकर रखनी चाहिए और किसी भी प्रकार के क्रोध व विवाद में नहीं पड़ना चाहिए। गुप्त नवरात्रि में बाल और नाखून काटने भी वर्जित माना जाता है। ऐसे में इन दिनों में गलती से भी ये दो कार्य नहीं करने चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति को अशुभ परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। मान्यता है कि गुप्त नवरात्रि में भूलकर भी चमड़े से बनी चीजों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। साथ ही, इससे बनी चीजों को धारण भी नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से पूजा का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है।

कहा जाता है नवरात्रि में दिन के समय सोना और बिस्तर पर सोना भी वर्जित होता है। खासतौर पर जो लोग नवरात्रि का व्रत रखते हैं उन्हें जमीन पर बिस्तर लगाकर सोना चाहिए। गुप्त नवरात्रि में दस महाविद्याओं की साधनाआषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि में सामान्य लोग मां दुर्गा की विधि-विधान से पूजा अर्चना करते हैं। इसके अलावा, तांत्रिक, अघोरी तंत्र मंत्र और सिद्धि प्राप्त करते हैं। ये सभी देवी की दस महाविद्याओं की साधना करते हैं, जिन्हें बहुत शक्तिशाली माना जाता है। मान्यता है कि जिस व्यक्ति पर देवी की कृपा होती है, उसे किसी भी संकट का सामना नहीं करना पड़ता है। साथ ही, ऐसे लोगों के लिए दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं रहता है। देवी की दस महाविद्याएं इस प्रकार हैं- माता धूमावती देवी, माता काली देवी, माता त्रिपुरा देवी, तारा देवी, माता षोडशी देवी, माता छिन्नमस्ता देवी, भुवनेश्वरी देवी, माता बगलामुखी देवी, माता कमला देवी और माता मातंगी देवी।

ध्रुव योग में गुप्त नवरात्रि कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त

आषाढ़ गुप्त नवरात्रि इस साल 26 जून से मनाए जाएंगे। 26 जून को कलश स्थापना होगी और 4 जुलाई को नवरात्रि समाप्त होंगे। गुप्त नवरात्रि के इस मौके पर 10 महाविद्याओं की पूजा की जाती है। इस बार आषाढ़ गुप्त नवरात्रि पर ध्रुव योग और सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा। ध्रुव योग योग 26 जून को शुरू होगा और अगले दिन 27 जून को सुबह 5.37 मिनट तक रहेगा। इस बार गुप्त नवरात्रि पर कलश स्थापना के लिए एक घंटा 32 मिनट का समय मिल रहा है। आपको बता दें कि गुप्त नवरात्रि की प्रतिपदा तिथि के दिन कलश स्थापना होती है। आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा 25 जून को शाम को 4 बजे से लग रही है और 26 जून को दोपहर 1.24 बजे तक लगेगी। उदया तिथि के अनुसार प्रतिपदा 26 को रहेगी, इसलिए गुप्त नवरात्रि 26 जून से शुरू होगें। कलश स्थापना के लिए अभीजीत मुहूर्त सुबह 10.58 मिनट से 11..53 मिनट तक रहेगा।

कलश स्थापना मुहूर्त

कलश स्थापना नवरात्रि की प्रतिपदा तिथि के दिन की जाती है, यह नवरात्रि की शुरुआत का प्रतीक है। नीचे दिए मुहूर्त में कलश स्थापना कर सकते हैं।

मिथुन लग्न शुरू: सुबह 4.33 बजे, 26 जून

मिथुन लग्न समाप्त: सुबह 6.05 बजे, 26 जून

कलश स्थापना मुहूर्त: सुबह 4.33 प्रात: 6.05

अभिजीत मुहूर्त: सुबह 10.58 बजे से सुबह 11.53 बजे तक

ध्रुव योग: रात 11.40 तक

सर्वार्थ सिद्धि योग: 26 जून को सुबह 8.46 बजे से 27 जून को सुबह 5.35 बजे तक

गुप्त नवरात्रि का महत्व

चैत्र और शारदीय नवरात्रि के बारे में आपने सुना होगा, लेकिन आषाढ़ मास और माघ मास के नवरात्र के बारे में आप नहीं जानते होंगे। गुप्त नवरात्रि में दस महाविद्याओं की पूजा आध्यात्मिक साधक और तांत्रिक करते हैं। यह नवरात्रि गहन साधनाओं और अनुष्ठानों के लिए समर्पित है, जिसमें दस महाविद्याओं काली, तारा, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, छिन्नमस्ता, त्रिपुर भैरवी, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी, कमला की अराधना की जाती है।

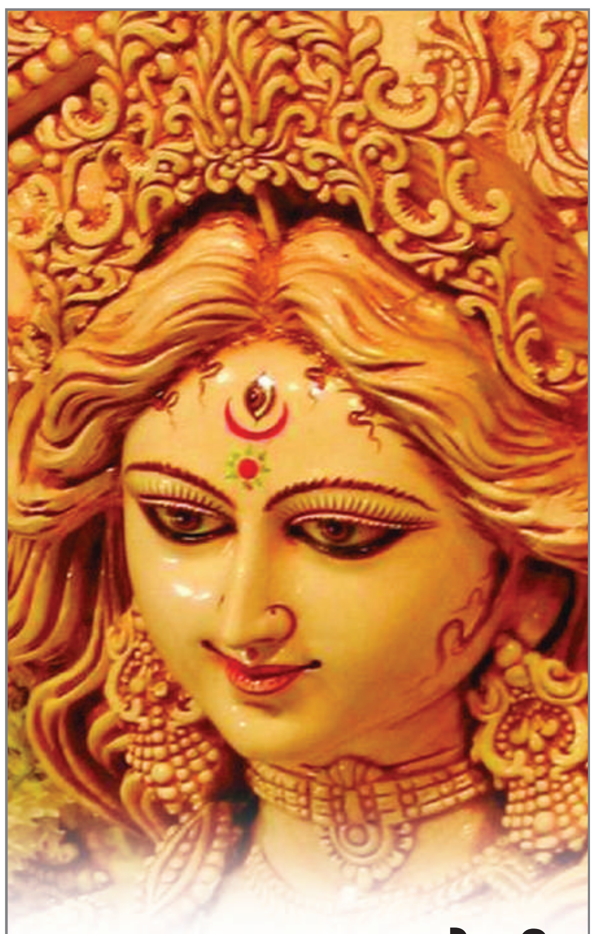

26 जून शुरू होगी गुप्त नवरात्र? भूलकर भी न करें ये काम

गुप्त नवरात्र का पर्व सनातन धर्म में बहुत शुभ माना जाता है जो मां दुर्गा की पूजा के लिए समर्पित है। इस दौरान देवी की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और रोग-दोष दूर होते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार इस साल गुप्त नवरात्र कब शुरू होगी?

सनातन धर्म में नवरात्र का पर्व बहुत शुभ माना जाता है। यह मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा के लिए समर्पित है। गुप्त नवरात्र को तंत्र-मंत्र और गुप्त सिद्धियों के लिए विशेष माना जाता है। इस दौरान देवी की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। कहते हैं कि इस दौरान कठिन उपवास करने से सभी तरह के रोग-दोष दूर होते हैं।

26 जून से शुरू होगी गुप्त नवरात्र

हिंदू पंचांग के अनुसार, गुरुवार 25 जून को शाम 04 बजे से आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि शुरू होगी। वहीं, इसका समापन 26 जून को दोपहर 01 बजकर 24 मिनट पर होगा। उदया तिथि को देखते हुए 26 जून से गुप्त नवरात्र शुरू होगी।

गुप्त नवरात्र में इन बातों का रखें ध्यान

- इन नौ दिनों में मांसाहार, प्याज, लहसुन और अन्य तामसिक भोजन का सेवन बिल्कुल न करें।
- नवरात्र के दौरान बाल और नाखून काटने से बचें।
- चमड़े से बनी वस्तुओं जैसे बेल्ट, पर्स आदि का प्रयोग न करें।
- घर में शांति और सकारात्मक माहौल बनाए रखें।
- लड़ाई-झगड़े, बहस और अपशब्दों का प्रयोग बिल्कुल न करें।
- व्रती दिन में सोने से बचें।
- मन में किसी के प्रति बुरे विचार न लाएं।
- इन नौ दिनों में ब्रह्मचर्य का पालन करें।
- देवी की पूजा पूरे विधि-विधान से करें।
- पूजा सामग्री और विधि में किसी भी तरह की कमी न छोड़ें।
- स्त्री का अपमान भूलकर भी न करें।

मां की 8 भुजाएं, त्रिनेत्र क्यों हैं किस चीज का देते हैं संकेत

गुप्त नवरात्र 2025 आषाढ़ माह में 26 जून से शुरू हो रहे हैं। इन नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जाती है। मां दुर्गा के हर रूप की अपनी विशेषता है। उनकी आठ भुजाएं हर दिशा से भक्तों की रक्षा करने का संकेत देती हैं जिनमें अलग-अलग अस्त्र और शस्त्र होते हैं।

माघ और आषाढ़ माह में मनाए जाते हैं। इस साल अषाढ़ के गुप्त नवरात्र 26 जून से शुरू हो रहे हैं। नवरात्र के 9 दिन मां के नौ रूपों की पूजा की जाती है। उन्हें अम्बे, जगदम्बे, शेरावाली, पहाड़ावाली विभिन्न नामों से पुकारा जाता है। मां दुर्गा ने ये 9 रूप अलग-अलग वजहों से लिए। हर रूप में वह भक्तों का कल्याण करती हैं। इन नौ दिनों में अखंड ज्योति जलाकर मां का ध्यान और आराधना करने से समस्त दुखों का नाश होता है। इस मौके पर चलिए जानते हैं उनके रूप में उनकी भुजाओं, त्रिनेत्र का क्या संकेत है।

मां दुर्गा के हैं 9 रूप

नवरात्रि में हर दिन मां दुर्गा के अलग रूप की पूजा की जाती है। उनके नौ रूप नौ महाविद्याओं को दर्शते हैं। प्रथम शैलपुत्री, दूसरा ब्रह्मचारिणी, तीसरा चंद्रघंटा, चौथा कूष्मांडा, पांचवां स्कंदमाता, छठवां कात्यायनी, सातवां कालरात्रि, आठवां महागौरी और नौंवा सिद्धिदात्री का रूप उन्होंने लिया है। हर रूप एक खास गुण और शक्ति का प्रतीक है।

शक्ति के बिना अधूरे हैं शिव

शिव और शक्ति एक-दूसरे के पूरक है। दोनों के मिलन से ही सृष्टि की रचना और संचालन होता है। शिव के बिना शक्ति निष्क्रिय हैं, और शक्ति बिना शिव के स्थिर नहीं हो सकते हैं। शिव जहां स्थिरता, ध्यान, और संहारक के रूप में जाने जाते हैं। वहीं, शक्ति, शिव की ऊर्जा है, जो ब्रह्मांड की रचना, पालन और संहार का कारण बनती हैं।

आठ दिशाओं से करती हैं रक्षा

मां दुर्गा की मूर्तियों में 8 हाथ दिखाए जाते हैं। हर हाथ में अलग-अलग अस्त्र और शस्त्र होते हैं, जो बुराई से लड़ने के प्रतीक के रूप में दिखाए जाते हैं। मां की अष्ट भुजाएं यह संकेत देती हैं कि वह अपने भक्तों की हर दिशा से रक्षा करती हैं। वह 'त्रिनेत्रधारी' भी कही जाती हैं। उनकी बाईं आंख चंद्रमा का प्रतीक है, जो शांति और प्रेम से परिपूर्ण है। दाईं आंख सूर्य का प्रतीक जो ऊर्जा और शक्ति देती है। वहीं, तीसरी आंख अग्नि का प्रतीक है, जो बुराई को नष्ट करने वाली ताकत का प्रतीक है।

पाकिस्तान ने ट्रम्प को नोबेल प्राइज के लिए नॉमिनेट किया

कहा- भारत-पाक जंग रोकी; अमेरिकी राष्ट्रपति बोले- कुछ भी कर लूं नोबेल नहीं मिलेगा

एजेंसी

इस्लामाबाद/ वॉशिंगटन, पाकिस्तान सरकार ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को 2026 के नोबेल पीस प्राइज के लिए नॉमिनेट किया है। पाकिस्तान का कहना है कि भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान ट्रम्प की कूटनीतिक पहल और मध्यस्थता ने एक बड़े युद्ध को टालने में मदद की। पाकिस्तानी सरकार ने अपने ऑफिशियल स्टेटमेंट में कहा कि ट्रम्प ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद दोनों से बात कर संघर्षविराम में अहम भूमिका निभाई। इससे दो न्यूक्लियर ताकत वाले देशों के बीच युद्ध की आशंका टल गई। पाकिस्तान ने कश्मीर मुद्दे पर ट्रम्प की मध्यस्थता की पेशकश को भी सराहा और कहा कि जब तक कश्मीर का हल नहीं निकलता, तब तक क्षेत्र में स्थायी शांति नहीं आ सकती। हालांकि, ट्रम्प ने कहा, मैं कितने भी युद्ध रोक लूं, कुछ भी कर लूं, मुझे नोबेल नहीं मिलेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने दावा किया है

कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध टालने, रूस-यूक्रेन और ईरान-इजराइल जैसे विवादों को सुलझाने में अहम भूमिका निभाई, लेकिन उन्हें नोबेल पीस प्राइज नहीं मिलेगा। ट्रम्प ने शुक्रवार को ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए लिखा, ह्लमैं जो भी कर लूं, नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलेगा। मैंने विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ मिलकर कांगो-रवांडा युद्ध को रोकने के लिए शांति समझौता कराया है। यह दशकों से चल रहा खूनी संघर्ष था।ह्व इससे पहले ट्रम्प ने बुधवार को व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर से बंद कमरे में मुलाकात की थी। दोनों ने व्हाइट हाउस के कैबिनेट रूम में साथ लंच किया था। यह पहली बार था जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ की मेजबानी की। बुधवार को ट्रम्प-मुनीर की मुलाकात मुनीर के ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार देने की मांग वाले बयान के बाद हुई थी। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एना केली ने बताया कि मुनीर ने ट्रम्प को मई में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने का क्रेडिट दिया है। उनके इस बयान के सम्मान में ट्रम्प ने उन्हें लंच पर बुलाया था। आसिम मुनीर अभी अमेरिका के दौरे पर हैं। ट्रम्प से उनकी मुलाकात से कुछ घंटे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति से 35 मिनट तक फोन पर बातचीत की थी। इस दौरान मोदी ने साफ कहा था कि 7 से 10 मई तक चले ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय और पाकिस्तानी सेनाओं के बीच बातचीत के बाद सीजफायर हुआ था। किसी बाहरी मध्यस्थता के माध्यम से नहीं। नोबेल प्राइज 2026 के लिए ऑफिशियल रजिस्ट्रेशन सितंबर में शुरू किए जाएंगे। हालांकि, अभी अंतिम तारिख का ऐलान नहीं किया गया है। 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकन की आखिरी तारीख 31 जनवरी थी। 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए 338 नॉमिनेशन किए गए। इनमें से 244 व्यक्ति और 94 संगठन थे। 2023 में इस पुरस्कार के 286 उम्मीदवार नामांकित थे। 2016 में सबसे अधिक 376 नॉमिनेशन हुए थे। नोबेल प्राइज वेबसाइट के मुताबिक उनकी ओर से किसी भी फील्ड में नोबेल के लिए नॉमिनेट होने वाले लोगों के नाम अगले 50 साल तक उजागर नहीं किए जाते हैं।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने खोल दी इजरायली पीएम की पोल

कहा- सत्ता में बने रहने के लिए ईरान से जंग लड़ रहे

एजेंसी

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को लेकर चौंकाने वाले दावे किए हैं। उन्होंने कहा कि इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू अपने शेष जीवन के लिए पद पर बने रहने तथा अपने विरुद्ध लगे आरोपों से बचने का प्रयास कर रहे हैं। वह ईरान के साथ युद्ध करने जा रहा है। इसलिए, अमेरिका को इस मामले में सावधान रहना चाहिए। 17 तारीख को 'द डेली शो' में आए बिल क्लिंटन ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि नेतन्याहू ईरान से लड़ते रहना चाहते हैं क्योंकि इससे उन्हें

हमेशा के लिए सत्ता में बने रहने में मदद मिलेगी। हमें ध्यान देना चाहिए कि नेतन्याहू पिछले 20 वर्षों में से अधिकांश समय तक पद पर रहे हैं। लेकिन मुझे लगता है कि अमेरिका को तनाव कम करने की कोशिश करनी चाहिए। मुझे विश्वास है कि ट्रम्प ऐसा करेंगे। मेरा मानना ??है कि जो भी राष्ट्रपति होगा, वह ऐसा ही करेगा। साथ ही, हमें मध्य पूर्व में अपने दोस्तों को आश्वस्त करने की जरूरत है कि हम उनके साथ खड़े रहेंगे और उनकी रक्षा करने की कोशिश करेंगे। लेकिन अघोषित युद्ध लोगों को प्रभावित करता है। वे युद्ध में राजनीतिक रूप से शामिल नहीं होते। वे एक सम्मानजनक जीवन जीना चाहते हैं। उन्होंने कहा, इसलिए युद्ध सही समाधान नहीं है। बिल क्लिंटन की बात में सच्चाई है। युद्ध के कारण नेतन्याहू अब कई आरोपों से बच रहे हैं। उन पर भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी और विश्वासघात जैसे तीन प्रमुख आरोप हैं। इन मामलों को 'केस 1000', 'केस 2000' और 'केस 4000' के नाम से जाना जाता है। नेतन्याहू और उनके परिवार को हॉलीवुड फिल्म निमार्ता अर्नोन मिलचन और ऑस्ट्रेलियाई अरबपति जेम्स पैकर से लगभग 200,000 अमेरिकी डॉलर मूल्य के सिगार मिले। आरोप है कि उन्हें शैंपेन और आभूषण जैसे महंगे उपहार मिले।

> **अमेरिका को इस मामले में सावधान रहना चाहिए। 17 तारीख को 'द डेली शो' में आए बिल क्लिंटन ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि नेतन्याहू ईरान से लड़ते रहना चाहते हैं क्योंकि इससे उन्हें हमेशा के लिए सत्ता में बने रहने में मदद मिलेगी।**

मिसाइल पर बांध दिए बम के गुच्छे और फिर...

दुनिया में जो किसी ने नहीं किया वो ईरान ने कर दिया

एजेंसी

ईरान ने इजरायल पर वैसे तो कई हमले किए हैं। लेकिन सबसे तगड़ा हमला 20 बैलेस्टिक मिसाइलों से किया। इजरायली डिफेंस फोर्स के मुताबिक 19 जून को ईरान ने अजोर शहर पर 20 बैलेस्टिक मिसाइस से हमला किया। इसमें से एक मिसाइल के वॉरहेड में क्लस्टर बम थे। ये जमीन से हवा में छूटा और उसमें से 20 छोटे छोटे बम निकले जो लगभग 8 किलोमीटर के दायरे में फैल गए। ये ऐसे बम हैं जो इजरायल में तबाही मचा रहे हैं। इनके बारे में कहा जा रहा है कि ये तुरंत नहीं फटते बल्कि सालों बाद भी फट जाते हैं। हाइफा पर ईरानी सेना ने एक के बाद एक कई मिसाइल दागे। इन हमलों में हाइफा में 23 लोग घायल हुए और तीन की हालत गंभीर है। हालांकि इजरायली सेना का दावा है कि उसने 16 ईरानी मिसाइलों को इंटरसेप्ट कर मार गिराया। ईरान ने पहली बार इस जंग में क्लस्टर बम का उपयोग किया और इजराइल के रिहाइशी इलाकों में इस बम लैंस मिसाइल दागी।

एर्दोगन ने नेतन्याहू की तुलना हिटलर से की

कहा- दोनों ने चुनी एक जैसी विनाश की राह

एजेंसी

तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर तीखा हमला करते हुए उनकी तुलना एडोल्फ हिटलर से की। एर्दोगन ने नेतन्याहू पर कुख्यात नाजी तानाशाह की तरह विनाश का रास्ता अपनाने का आरोप लगाया। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ती दुश्मनी के बीच बोलते हुए एदोर्गान ने कहा कि नेतन्याहू और हिटलर ने विनाश का एक ही रास्ता अपनाया है। उन्होंने गाजा में इजरायल की नीतियों और उसकी परमाणु महत्वाकांक्षाओं की निंदा की और उन्हें क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए खतरा बताया। तुर्की के राष्ट्रपति ने बिना किसी संकोच के नेतन्याहू को पाखंडी करार दिया। एर्दोगन ने आरोप लगाया कि इजरायली नेता, हिटलर की तरह ही, व्यवस्थित विनाश के लिए जिम्मेदार हैं और अंतरराष्ट्रीय मानदंडों की परवाह किए बिना विनाशकारी एजेंडा चला रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से गाजा में फिलिस्तीनियों के साथ इजरायल के व्यवहार की आलोचना की, और दावा किया कि वहां लगभग 2 मिलियन लोग नाजी एकाग्रता शिविरों से भी बदतर परिस्थितियों में रह रहे हैं। एर्दोगन ने ईरान का बचाव करते हुए कहा कि देश को अपने नागरिकों की रक्षा करने का वैध अधिकार है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान अपने लोगों की रक्षा कर रहा है और यह उसका संप्रभु अधिकार है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब 13 जून से शुरू हुए हालिया तनाव के बाद ईरान और इजरायल के बीच टकराव जारी है।

'फिक्र अभी बाकी है...'

2025 में अपनी भूमिका पूछे जाने पर बोले नितिन गडकरी

एजेंसी

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने 2029 आम चुनाव में अपनी भूमिका पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए शनिवार को दावा किया कि पिछले 11 वर्षों में जो कुछ देखा गया वह सिर्फ एक न्यूज रील था और असली फिल्म अभी आनी बाकी है। हालांकि, वरिष्ठ भाजपा नेता ने जोर देकर कहा कि पार्टी अपने पदाधिकारियों की जिम्मेदारी तय करती है, उन्होंने कहा कि वह जिस भी क्षमता में उनके लिए काम देगी, वह काम करेंगे। नितिन गडकरी ने नरेंद्र मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर उदय निरगुडकर को दिए साक्षात्कार में कहा, अभी तक जो हुआ है वो तो न्यूज रील थी। असली फिल्म शुरू होना और बाकी है। गडकरी ने कहा, पार्टी कार्यकर्ता की जिम्मेदारियां और वह क्या काम करेगा, यह तय करती है। मुझे जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी, मैं उसे पूरा करूंगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उन्होंने कभी अपना राजनीतिक बायोडेटा प्रकाशित नहीं किया है और न ही उन्होंने कभी समर्थकों से हवाईअड्डों पर उनके लिए भव्य स्वागत कार्यक्रम आयोजित करने को कहा है। गडकरी ने कहा कि उनकी व्यक्तिगत इच्छा विदर्भ में किसानों की आत्महत्या को रोकने की दिशा में काम करना है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा, आजकल मैं सड़क निर्माण के बजाय कृषि और अन्य सामाजिक पहलों पर अधिक काम करता हूं। यह पूछे जाने पर कि भारत की प्रति व्यक्ति आय दुनिया में शीर्ष 10 में क्यों नहीं है, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसके लिए देश की जनसंख्या जिम्मेदार है। जनसंख्या नियंत्रण विधेयक का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा, यह कोई धार्मिक या भाषाई मुद्दा नहीं है। यह एक आर्थिक मुद्दा है। इतना विकास होने के बावजूद, परिणाम दिखाई नहीं दे रहे हैं। इसका कारण बढ़ती जनसंख्या है। जनसंख्या नियंत्रण विधेयक का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा, ्यह कोई धार्मिक या भाषाई मुद्दा नहीं है. यह एक आर्थिक मुद्दा है. इतना विकास होने के बावजूद परिणाम नहीं दिख रहे हैं. इसका कारण बढ़ती जनसंख्या है. उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) नेता सुधाकर बडगुजर के भाजपा में शामिल होने के बारे में पूछे गए सवाल को यह कहकर टाल दिया कि वह उन्हें नहीं जानते और उनसे कभी मिले भी नहीं हैं.

> **वरिष्ठ भाजपा नेता ने जोर देकर कहा कि पार्टी अपने पदाधिकारियों की जिम्मेदारी तय करती है, उन्होंने कहा कि वह जिस भी क्षमता में उनके लिए काम देगी, वह काम करेंगे।**

बीजेपी के लोग गाय का दूध नहीं पीते, उन्हें गोबर पसंद...

एजेंसी

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने एक बार फिर से भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि ये सरकार कह रही है कि एक्सप्रेस-वे के किनारे औद्योगिक क्षेत्र विकसित करेंगे। उन्होंने दावा किया कि समाजवादी पार्टी ने एक्सप्रेस-वे के किनारे किसानों के लिए बाजार बनाने शुरू किए थे। बीजेपी को किसानों के लिए बाजार बनाने पर ध्यान देना चाहिए। बाजार ऐसे होने चाहिए कि हर फसल वहीं खरीदी जाए... गाय के दूध के प्लांट को क्यों बंद कर दिया?... इन भाजपाइयों को दूध से बने उत्पादों से क्या लेना-देना?

अखिलेश ने तंज सकते हुए कहा कि बीजेपी के लोग गाय का दूध नहीं पीते... उन्हें गोबर पसंद है। उन्हें गोबर उपहार में दिया जाए तो उन्हें अच्छा लगता है. अगर आप उन्हें गाय के दूध से बने उत्पाद जैसे घी या दही उपहार में देंगे तो वे नाराज हो जाएंगे... उन्हें गोबर दिया जाए तो वे खुश हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि जितने भी कारोबार करने वाले लोग हैं, हम समाजवादियों से जो मदद और सहयोग हो सकती है हम उनकी करेंगे। पूर्व सीएम ने कहा कि समाजवादी पार्टी स्कूलों के मर्जर के फैसले के खिलाफ है। अगर स्कूल घर से दूर होगा तो बच्चे कैसे पहुंचेंगे, खासकर बेटियां कैसे पहुंचेंगी। उन्होंने कहा कि मरीज आईसीयू में बिना बिजली के कैसे जीवित रहेंगे? स्वास्थ्य विभाग में ट्रांसफर ही नहीं हो रहे। जाने का वक्त है सरकार का, इसीलिए सब सरकार के लोग इसी में लगे हैं कि ट्रांसफर पोस्टिंग से ही कुछ कमा ले। अखिलेश यादव ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि इसके शासन में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है, अपराधी खुलेआम हत्याएं कर रहे हैं और राज्य में कोई कहीं भी सुरक्षित नहीं है। अखिलेश यादव अपने संसदीय क्षेत्र कन्नौज पहुंचे थे। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साधा और राज्य में कानून व्यवस्था को पूरी तरह ध्वस्त बताया। उन्होंने स्थानांतरण और पदस्थापना के नाम पर बसूली का आरोप भी लगाया।

कार्यालय नगर पंचायत जट्टारी (अलीगढ़)

पत्रॉक 235 / न0पं0जट्टारी / 2025-26 दिनांक 21 / 06 / 2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत जट्टारी वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिलाधिकारी महोदय अलीगढ़ द्वारा अपने कार्यालय पत्रांक संख्या 330 / टी0ए0सी0 - प्रथम दिनांक 13.06.2025 के द्वारा कराये जाने वाले कार्यों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति के क्रम में नगर पंचायत जट्टारी द्वारा 15वें वित्त आयोग की (Untied Grant) ke (Tied Grant) की प्रथम व द्वितीय किश्त के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से निर्माण कार्य करने के लिये निविदायें दिनाँक 15.07.2025 को कार्यालय नगर पंचायत जट्टारी पर सांय 04 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। धरोहर धनराशि एवं निविदा शुल्क नगर पंचायत जट्टारी के स्टेट बैंक शाखा जट्टारी में संचालित 'Nagar Panchayat Jattari E Tendering' खाता संख्या- 39088281139 आईएफएससी कोड - SBIN0011346 में ऑनलाइन जमा करनी होगी तथा धनराशि की रसीद जमा करने सम्बन्धी अथवा यूनिक रेफरेन्स नम्बर (UTR No.) निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा। निविदा फार्म दिनांक 23.06.2025 से 15.07.2025 सांय 04:00 बजे तक कार्यालय में उपस्थित होकर प्राप्त किया जा सकता है। प्राप्त निविदाओं को कमेटी के समक्ष दिनांक 16.07.2025 को अपराहन 02:00 से 04:00 बजे तक कार्यालय नगर पंचायत जट्टारी पर खोली जायेगी। अन्य नियम व शर्तें कार्यालय नगर पंचयात जट्टारी (अलीगढ़) से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। बिना कोई कारण बताये किसी भी निविदा / कुटेशन को स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा ।

क्र0	नाम निर्माण कार्य	अनुमानित लागत	10% जमानत धनराशि	निविदा मूल्य + जी0एस0टी0	कार्य अवधि	योजना का नाम
1	Repair of C.C. tiles in nagar panchayat jattari in Moh. Madhonagar P.T.A. Road to Dr. Tomar House.	388989-00	38898-00	500	1 माह	15 वॉ वित्त UN
2	Repair of C.C. tiles in nagar panchayat jattari in Moh. Madhonagar R.T.O. Mukesh to Virender Mama House & Upto Rahul.	401821-00	40182-00	500	1 माह	15 वॉ वित्त UN
3	Reconst. Of Nali in nagar panchayat jattari in Moh. Durgapur Veerpal to Primary Wala Rasta Size. 0.45X0.45.	369317=00	36931-00	500	1 माह	15 वॉ वित्त UN
4	Const. of Nali in nagar panchayat jattari in Moh. Durgapur Bhagwan sawaroop to Horilal. Size 0.45X0.45.	350851-00	35085-00	500	1 माह	15 वॉ वित्त UN
5	Repair Of C.C. Tiles in nagar panchayat jattari in Moh. Madhonagar Madhu house to Anita.	93018-00	9301-00	200	15 दिन	15 वॉ वित्त UN
6	Const. of C.C. Interlocking & Drains in nagar panchayat jattari in Moh. Madhonagar Asha Sharma house to Premraj House.	841274-00	84127-00	1000	1 माह	15 वॉ वित्त UN
7	Const. of C.C. Road& Drains In Nagar Panchayat Jattari in Moh- Raiwadiyan Talab over old C.C. Interlocking Hari Singh house to Ramkumar House.	486413-00	48641-00	500	1 माह	15 वॉ वित्त UN
8	Const. of C.C. Road& Drains in nagar panchayat jattari in Moh. Raiwadiyan Talab Over old C.C. Interlocking Vedveer House to Mukesh House.	693648-00	69364-00	1000	1 माह	15 वॉ वित्त UN
9	Const. of C.C. Road& Drains in nagar panchayat jattari in Moh. Deepnagar Over old C.C. Interlocking Roadas Plote to Bablu House.	396170-00	39617-00	500	1 माह	15 वॉ वित्त UN
10	Const. of C. C. Road& Drains in nagar panchayat jattari in Moh. Deepnagar Over old C.C. Interlocking Suresh House to Surajpal house.	343138-00	34313-00	500	1 माह	15 वॉ वित्त UN
11	Const. of C.C. Road& Drains in nagar panchayat jattari in Moh. Deepnagar Over old C.C. Interlocking Omveer House to Munni Devi House.	826255-00	82625-00	1000	1 माह	15 वॉ वित्त UN
12	Construction of Remaining Boundry wall of damping ground in Nagar Panchayat Jattari.	305216-00	30521-00	500	1 माह	15 वॉ वित्त T

लिपिक
नगर पंचायत जट्टारी
(अलीगढ़)

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत जट्टारी (अलीगढ़)
(अलीगढ़)

अध्यक्ष
नगर पंचायत जट्टारी (अलीगढ़)
(अलीगढ़)